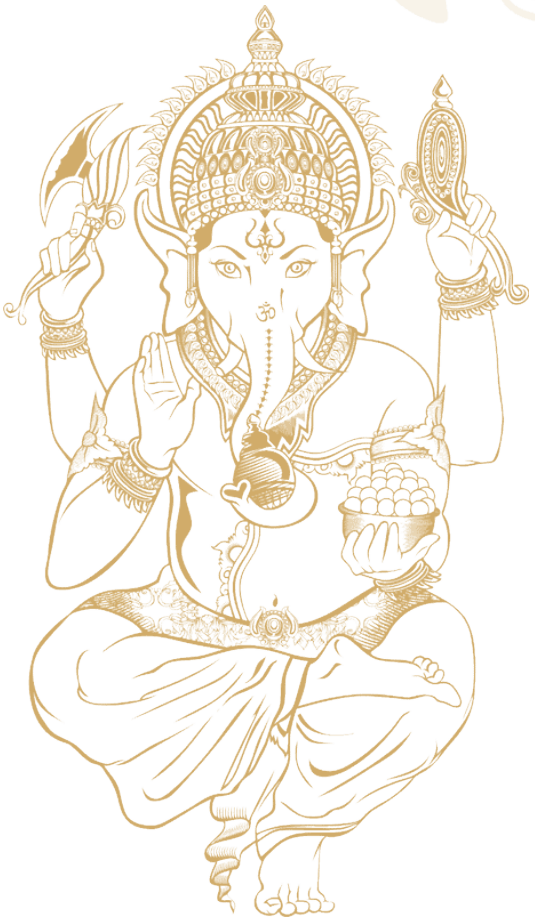

Pratik Patil Raigad

25 Jul 1991

10:30 AM

Raigarh

Model: All-Dosha-Report **Order No: 120581701**

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**25/07/1991**
दिवस	गुरुवार
जन्म समय	**10:30:00 कला**
इष्ट	10:41:27 घटी
स्थान	**Raigarh**
देश	India

अक्षांश	18:36:00 उत्तर
रेखांश	72:54:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:38:24 कला
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 कला
स्थानिक वेल	09:51:36 कला
वेलान्तर	-00:06:29 कला
साम्पातिक वेल	06:01:14 कला
सूर्योदय	06:13:25 कला
सूर्यास्त	19:16:03 कला
दिनमान	13:02:38 कला
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्याचे अंश	08:02:19 कर्क
लग्नाचे अंश	06:33:11 कन्या

अवकहड़ा चक्र

लग्न–लग्नाधिपति	कन्या – बुध
राशि–स्वामी	**धनु – गुरु**
नक्षत्र–चरण	**पूर्वाषाढ़ा – 3**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	वैधृति
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	वानर
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	उंदीर
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	फा–फणि
पाया(राशि–नक्षत्र)	लौह – ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	सिंह

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

पंचांग

आजोबांचें नांव _____:
बडीलांचे नांव _____:
आईचें नांव _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

कैलेंडर	वर्ष	माह	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1913	श्रावण	3
पंजाबी	संवत : 2048	श्रावण	10
बंगाली	सन् : 1398	श्रावण	8
तमिल	संवत : 2048	अदी	9
केरल	कोल्लम : 1166	काभकतका	9
नेपाली	संवत : 2048	श्रावण	9
चैत्रादी	संवत : 2048	आषाढ़	शुक्ल 14
कार्तिकादी	संवत : 2048	आषाढ़	शुक्ल 14

पंचांग

सूर्योदय समयी तिथि _____: 14
तिथि समाप्ति वेल _____: 21:32:14
जन्म तिथि _____: 14
सूर्योदय समयी नक्षत्र _____: पूर्वाषाढ़ा
नक्षत्र समाप्ति वेल _____: 21:55:13 कला
जन्म योग _____: पूर्वाषाढ़ा
सूर्योदय समयी योग _____: वैधृति
योग समाप्ति वेल _____: 12:13:50 कला
जन्म योग _____: वैधृति
सूर्योदय समयी करण _____: गर
करण समाप्ति वेल _____: 08:17:05 कला
जन्म करण _____: वणिज
भयात _____: 39:11:15
भभोग _____: 67:44:18
भोग्य दशा वेल _____: शुक्र 8 वर्ष 5 मा 8 दि

घात चक्र

मास _____: श्रावण
तिथि _____: 3-8-13
दिवस _____: शुक्रवार
नक्षत्र _____: भरणी
योग _____: वज्र
करण _____: तैतिल
प्रहर _____: 1
वर्ग _____: मांजर
लग्न _____: धनु
रवि _____: तुला
चन्द्र _____: मीन
मंगळ _____: वृश्चिक
बुध _____: सिंह
गुरु _____: धनु
शुक्र _____: कुम्भ
शनि _____: कन्या
राहु _____: कुम्भ

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली

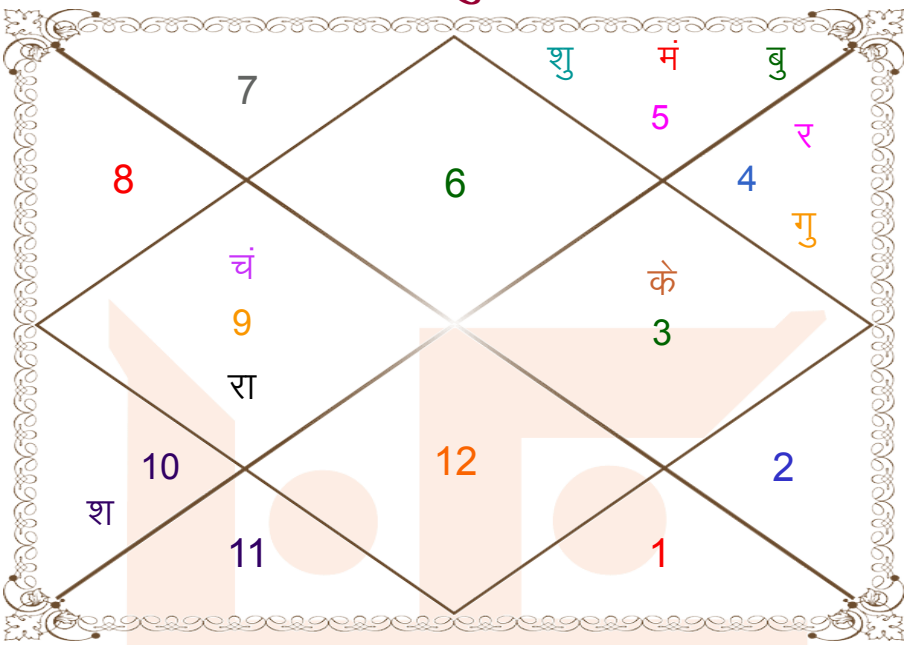

चन्द्र कुंडली

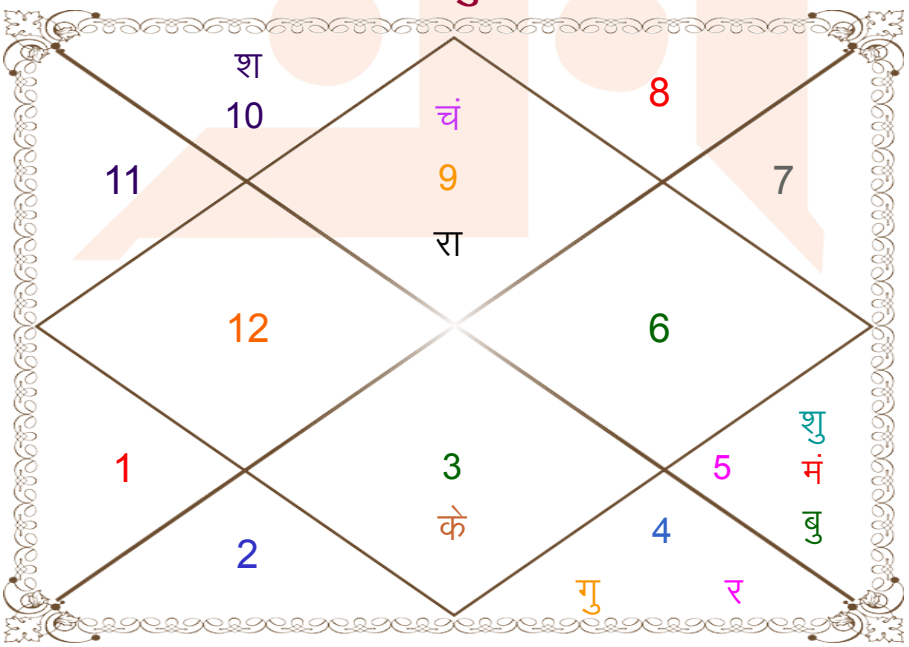

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

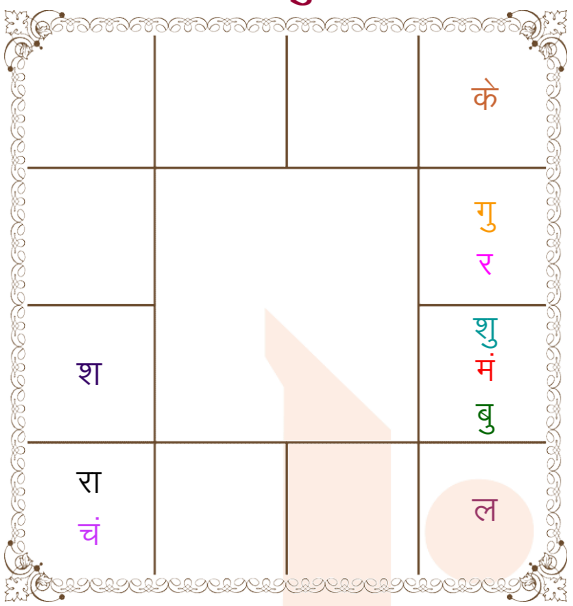

लग्न कुंडली

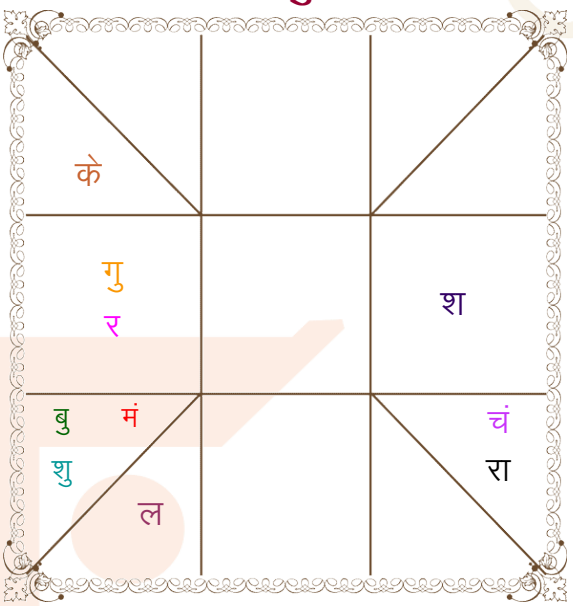

विंशोत्तरी
शुक्र 8वर्ष 5मा 8दि

शुक्र

25/07/1991

01/01/2100

शुक्र	01/01/2000
रवि	01/01/2006
चन्द्र	01/01/2016
मंगळ	01/01/2023
राहु	01/01/2041
गुरु	01/01/2057
शनि	01/01/2076
बुध	01/01/2093
केतु	01/01/2100

योगिनी
सिद्धा 2वर्ष 11मा 13दि

सिद्धा

08/07/2023

08/07/2030

सिद्धा	16/11/2024
संकटा	07/06/2026
मंगळा	17/08/2026
पिंगला	06/01/2027
धान्या	07/08/2027
भ्रामरी	18/05/2028
भद्रिका	08/05/2029
उल्का	08/07/2030

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा त्यांची स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कन्या	06:33:11	343:21:11	उ.फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	———
सूर्य			कर्क	08:02:19	00:57:17	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	मित्र राशि
चंद्र			धनु	21:02:26	11:48:42	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	सम राशि
मंगळ			सिंह	12:13:50	00:37:11	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
बुध			सिंह	05:02:44	00:56:31	मघा	2	10	सूर्य	केतु	मंगळ	मित्र राशि
गुरु			कर्क	25:37:01	00:12:49	आश्लेषा	3	9	चंद्र	बुध	राहु	उच्च राशि
शुक्र			सिंह	12:37:08	00:15:31	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	शत्रु राशि
शनि	व		मक	09:53:53	00:04:27	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	स्वगृही
राहु			धनु	25:14:28	00:00:12	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	नीच राशि
केतु			मिथु	25:14:28	00:00:12	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	17:15:49	00:02:13	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	चंद्र	———
नेप	व		धनु	21:10:48	00:01:32	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	———
प्लूटो	व		तुला	23:49:24	00:00:08	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	———
दशम भाव			मिथु	06:32:33	--	मृगशिरा	--	5	बुध	मंगळ	चंद्र	--

व – वक्री स – स्थिर
अ – अस्त पू – पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट
लाहिरी अयनांश : 23:44:38

लग्न–चलित

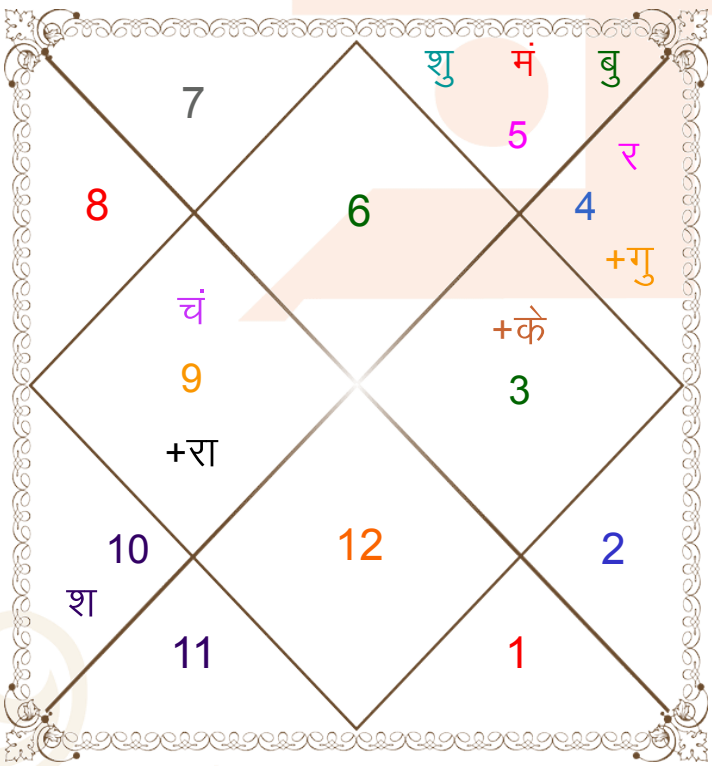

चन्द्र कुंडली

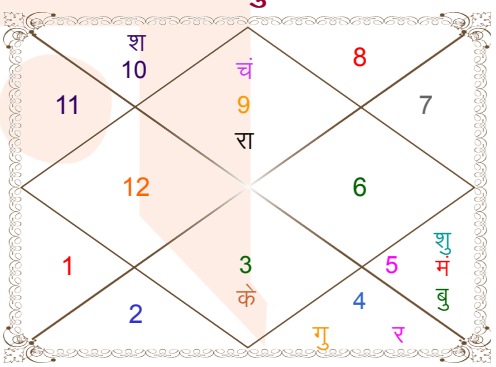

नवमांश कुंडली

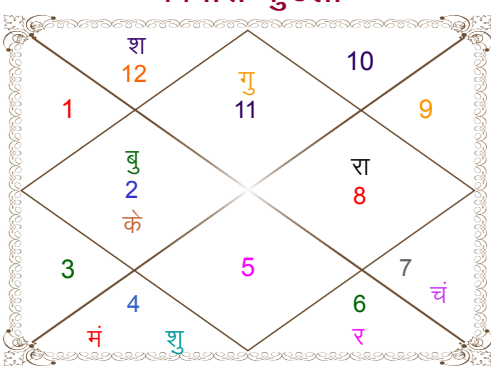

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	सिंह	21:33:05	कन्या	06:33:11
2	कन्या	21:33:05	तुला	06:32:59
3	तुला	21:32:52	वृश्चिक	06:32:46
4	वृश्चिक	21:32:40	धनु	06:32:33
5	धनु	21:32:40	मकर	06:32:46
6	मकर	21:32:52	कुम्भ	06:32:59
7	कुम्भ	21:33:05	मीन	06:33:11
8	मीन	21:33:05	मेष	06:32:59
9	मेष	21:32:52	वृषभ	06:32:46
10	वृषभ	21:32:40	मिथुन	06:32:33
11	मिथुन	21:32:40	कर्क	06:32:46
12	कर्क	21:32:52	सिंह	06:32:59

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	कन्या	06:33:11
2	तुला	06:03:17
3	वृश्चिक	06:22:38
4	धनु	06:32:33
5	मकर	06:43:12
6	कुम्भ	07:03:36
7	मीन	06:33:11
8	मेष	06:03:17
9	वृषभ	06:22:38
10	मिथुन	06:32:33
11	कर्क	06:43:12
12	सिंह	07:03:36

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी
भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा
पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल

चलित कुंडली

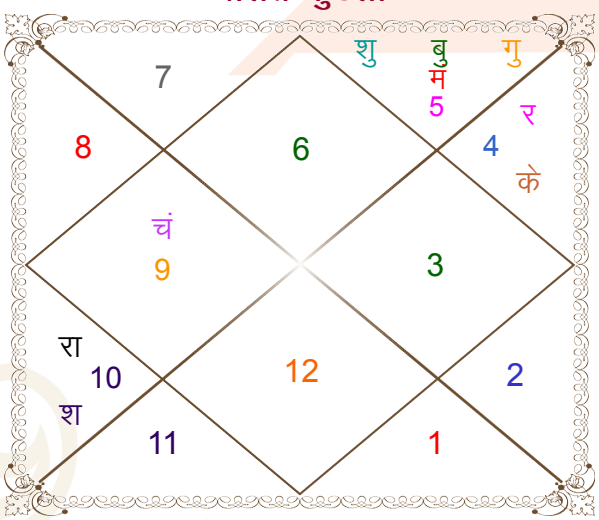

भाव कुंडली

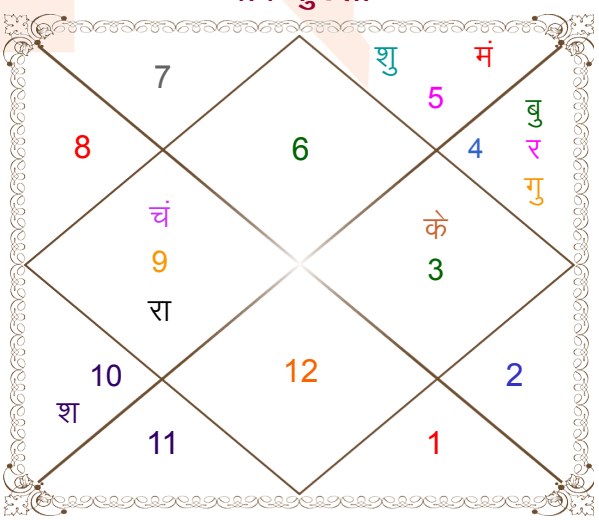

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	——— कारक ———		——— अवस्था ———				
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	ज्ञाति	पितृ	वृद्ध	मुदित	निद्रा	5.11	68 %
चंद्र	अमात्य	मातृ	वृद्ध	शक्त	प्रकाश	1.20	29 %
मंगळ	मातृ	भ्रातृ	युवा	मुदित	निद्रा	0.53	7 %
बुध	कलत्र	ज्ञाति	बाल	मुदित	आगम	5.19	46 %
गुरु	आत्मा	धन	बाल	दीप्त	निद्रा	18.59	81 %
शुक्र	भ्रातृ	कलत्र	युवा	खल	निद्रा	1.97	19 %
शनि	पुत्र	आयुष्य	वृद्ध	स्वस्थ	भोजन	4.17	49 %
राहु	———	ज्ञान	मृत	भीत	आगम	0.00	75 %
केतु	———	मोक्ष	मृत	भीत	निद्रा	0.00	75 %
एकुण						**36.76**	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा	पू.भाद्रपद	उ.भाद्रपद	रेवती	अश्विनी
भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा	पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा
पू.फाल्गुनी	उ.फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति	विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल

चलित कुंडली

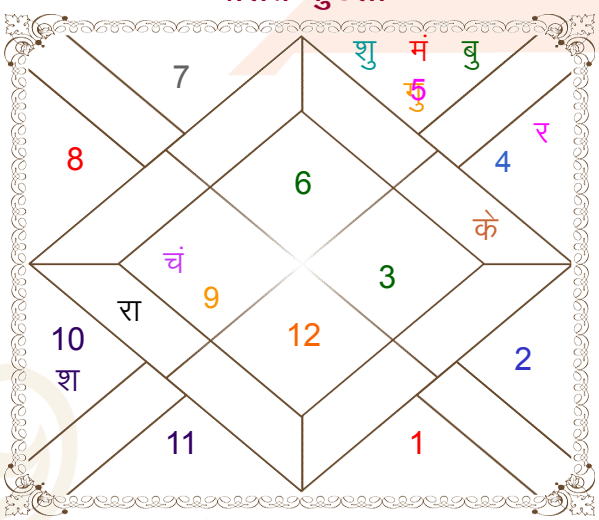

लग्न–चलित

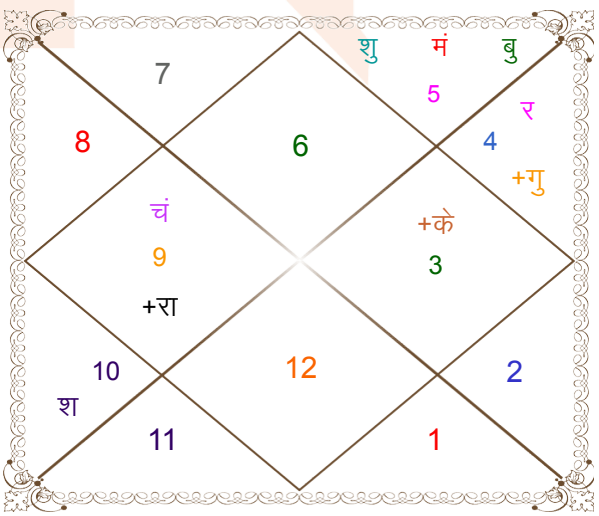

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा वेल : शुक्र 8 वर्ष 5 महिना 8 दिवस

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगळ 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
25/07/1991		**01/01/2000**		**01/01/2006**		**01/01/2016**		**01/01/2023**	
01/01/2000		**01/01/2006**		**01/01/2016**		**01/01/2023**		**01/01/2041**	
	00/00/0000	सूर्य	20/04/2000	चंद्र	01/11/2006	मंगळ	29/05/2016	राहु	13/09/2025
	00/00/0000	चंद्र	20/10/2000	मंगळ	02/06/2007	राहु	17/06/2017	गुरु	07/02/2028
	00/00/0000	मंगळ	24/02/2001	राहु	01/12/2008	गुरु	24/05/2018	शनि	14/12/2030
	00/00/0000	राहु	19/01/2002	गुरु	02/04/2010	शनि	03/07/2019	बुध	02/07/2033
	25/07/1991	गुरु	07/11/2002	शनि	01/11/2011	बुध	29/06/2020	केतु	21/07/2034
गुरु	01/11/1992	शनि	20/10/2003	बुध	02/04/2013	केतु	25/11/2020	शुक्र	20/07/2037
शनि	01/01/1996	बुध	26/08/2004	केतु	01/11/2013	शुक्र	25/01/2022	सूर्य	14/06/2038
बुध	01/11/1998	केतु	01/01/2005	शुक्र	03/07/2015	सूर्य	02/06/2022	चंद्र	14/12/2039
केतु	01/01/2000	शुक्र	01/01/2006	सूर्य	01/01/2016	चंद्र	01/01/2023	मंगळ	01/01/2041

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
01/01/2041		**01/01/2057**		**01/01/2076**		**01/01/2093**		**01/01/2100**	
01/01/2057		**01/01/2076**		**01/01/2093**		**01/01/2100**		**00/00/0000**	
गुरु	19/02/2043	शनि	04/01/2060	बुध	30/05/2078	केतु	30/05/2093	शुक्र	04/05/2103
शनि	01/09/2045	बुध	13/09/2062	केतु	27/05/2079	शुक्र	30/07/2094	सूर्य	03/05/2104
बुध	08/12/2047	केतु	23/10/2063	शुक्र	27/03/2082	सूर्य	05/12/2094	चंद्र	02/01/2106
केतु	13/11/2048	शुक्र	23/12/2066	सूर्य	01/02/2083	चंद्र	06/07/2095	मंगळ	04/03/2107
शुक्र	15/07/2051	सूर्य	05/12/2067	चंद्र	02/07/2084	मंगळ	02/12/2095	राहु	04/03/2110
सूर्य	02/05/2052	चंद्र	05/07/2069	मंगळ	29/06/2085	राहु	19/12/2096	गुरु	26/07/2111
चंद्र	01/09/2053	मंगळ	14/08/2070	राहु	17/01/2088	गुरु	25/11/2097		00/00/0000
मंगळ	08/08/2054	राहु	20/06/2073	गुरु	23/04/2090	शनि	04/01/2099		00/00/0000
राहु	01/01/2057	गुरु	01/01/2076	शनि	01/01/2093	बुध	01/01/2100		00/00/0000

- वरील दशा चन्द्रमा चे अंशा चे आधार वर्ती दीलेली आहे. भयात भभोग चे आधार अनुसार दशाच्या भोग्यकाल शुक्र 8 वर्ष 5 मा 5 दि होता आहेत.
- वरील दिनांक दशा समाप्ति चा समय दाखवते. विंशोत्तरी दशा पूर्ण 120 वर्षाची बिना आयुनिर्णय दिलेली आहे.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

राहु - गुरु		राहु - शनि		राहु - बुध		राहु - केतु		राहु - शुक्र	
13/09/2025		07/02/2028		14/12/2030		02/07/2033		21/07/2034	
07/02/2028		14/12/2030		02/07/2033		21/07/2034		20/07/2037	
गुरु	08/01/2026	शनि	21/07/2028	बुध	25/04/2031	केतु	25/07/2033	शुक्र	19/01/2035
शनि	27/05/2026	बुध	15/12/2028	केतु	18/06/2031	शुक्र	26/09/2033	सूर्य	15/03/2035
बुध	28/09/2026	केतु	14/02/2029	शुक्र	20/11/2031	सूर्य	16/10/2033	चंद्र	14/06/2035
केतु	18/11/2026	शुक्र	06/08/2029	सूर्य	06/01/2032	चंद्र	17/11/2033	मंगळ	17/08/2035
शुक्र	13/04/2027	सूर्य	27/09/2029	चंद्र	24/03/2032	मंगळ	09/12/2033	राहु	29/01/2036
सूर्य	27/05/2027	चंद्र	23/12/2029	मंगळ	17/05/2032	राहु	05/02/2034	गुरु	23/06/2036
चंद्र	08/08/2027	मंगळ	22/02/2030	राहु	04/10/2032	गुरु	28/03/2034	शनि	13/12/2036
मंगळ	28/09/2027	राहु	28/07/2030	गुरु	05/02/2033	शनि	27/05/2034	बुध	18/05/2037
राहु	07/02/2028	गुरु	14/12/2030	शनि	02/07/2033	बुध	21/07/2034	केतु	20/07/2037

राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगळ		गुरु - गुरु		गुरु - शनि	
20/07/2037		14/06/2038		14/12/2039		01/01/2041		19/02/2043	
14/06/2038		14/12/2039		01/01/2041		19/02/2043		01/09/2045	
सूर्य	06/08/2037	चंद्र	30/07/2038	मंगळ	05/01/2040	गुरु	14/04/2041	शनि	15/07/2043
चंद्र	02/09/2037	मंगळ	31/08/2038	राहु	03/03/2040	शनि	16/08/2041	बुध	23/11/2043
मंगळ	21/09/2037	राहु	21/11/2038	गुरु	23/04/2040	बुध	04/12/2041	केतु	16/01/2044
राहु	10/11/2037	गुरु	02/02/2039	शनि	23/06/2040	केतु	19/01/2042	शुक्र	19/06/2044
गुरु	24/12/2037	शनि	30/04/2039	बुध	16/08/2040	शुक्र	29/05/2042	सूर्य	04/08/2044
शनि	14/02/2038	बुध	16/07/2039	केतु	08/09/2040	सूर्य	07/07/2042	चंद्र	20/10/2044
बुध	01/04/2038	केतु	17/08/2039	शुक्र	10/11/2040	चंद्र	09/09/2042	मंगळ	13/12/2044
केतु	20/04/2038	शुक्र	17/11/2039	सूर्य	30/11/2040	मंगळ	25/10/2042	राहु	01/05/2045
शुक्र	14/06/2038	सूर्य	14/12/2039	चंद्र	01/01/2041	राहु	19/02/2043	गुरु	01/09/2045

गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र	
01/09/2045		08/12/2047		13/11/2048		15/07/2051		02/05/2052	
08/12/2047		13/11/2048		15/07/2051		02/05/2052		01/09/2053	
बुध	27/12/2045	केतु	28/12/2047	शुक्र	24/04/2049	सूर्य	29/07/2051	चंद्र	12/06/2052
केतु	14/02/2046	शुक्र	23/02/2048	सूर्य	12/06/2049	चंद्र	23/08/2051	मंगळ	10/07/2052
शुक्र	02/07/2046	सूर्य	11/03/2048	चंद्र	01/09/2049	मंगळ	09/09/2051	राहु	21/09/2052
सूर्य	12/08/2046	चंद्र	08/04/2048	मंगळ	28/10/2049	राहु	23/10/2051	गुरु	25/11/2052
चंद्र	20/10/2046	मंगळ	28/04/2048	राहु	23/03/2050	गुरु	01/12/2051	शनि	10/02/2053
मंगळ	07/12/2046	राहु	18/06/2048	गुरु	31/07/2050	शनि	16/01/2052	बुध	20/04/2053
राहु	11/04/2047	गुरु	03/08/2048	शनि	01/01/2051	बुध	26/02/2052	केतु	19/05/2053
गुरु	30/07/2047	शनि	26/09/2048	बुध	19/05/2051	केतु	14/03/2052	शुक्र	08/08/2053
शनि	08/12/2047	बुध	13/11/2048	केतु	15/07/2051	शुक्र	02/05/2052	सूर्य	01/09/2053

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - मंगळ		गुरु - राहु		शनि - शनि		शनि - बुध		शनि - केतु	
01/09/2053		08/08/2054		01/01/2057		04/01/2060		13/09/2062	
08/08/2054		01/01/2057		04/01/2060		13/09/2062		23/10/2063	
मंगळ	21/09/2053	राहु	17/12/2054	शनि	24/06/2057	बुध	23/05/2060	केतु	07/10/2062
राहु	11/11/2053	गुरु	13/04/2055	बुध	26/11/2057	केतु	19/07/2060	शुक्र	14/12/2062
गुरु	27/12/2053	शनि	30/08/2055	केतु	29/01/2058	शुक्र	30/12/2060	सूर्य	03/01/2063
शनि	19/02/2054	बुध	01/01/2056	शुक्र	31/07/2058	सूर्य	17/02/2061	चंद्र	06/02/2063
बुध	08/04/2054	केतु	21/02/2056	सूर्य	24/09/2058	चंद्र	10/05/2061	मंगळ	01/03/2063
केतु	28/04/2054	शुक्र	17/07/2056	चंद्र	25/12/2058	मंगळ	06/07/2061	राहु	01/05/2063
शुक्र	24/06/2054	सूर्य	29/08/2056	मंगळ	27/02/2059	राहु	01/12/2061	गुरु	24/06/2063
सूर्य	11/07/2054	चंद्र	10/11/2056	राहु	11/08/2059	गुरु	11/04/2062	शनि	27/08/2063
चंद्र	08/08/2054	मंगळ	01/01/2057	गुरु	04/01/2060	शनि	13/09/2062	बुध	23/10/2063

शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र		शनि - मंगळ		शनि - राहु	
23/10/2063		23/12/2066		05/12/2067		05/07/2069		14/08/2070	
23/12/2066		05/12/2067		05/07/2069		14/08/2070		20/06/2073	
शुक्र	03/05/2064	सूर्य	09/01/2067	चंद्र	22/01/2068	मंगळ	29/07/2069	राहु	17/01/2071
सूर्य	30/06/2064	चंद्र	07/02/2067	मंगळ	25/02/2068	राहु	28/09/2069	गुरु	05/06/2071
चंद्र	04/10/2064	मंगळ	27/02/2067	राहु	22/05/2068	गुरु	21/11/2069	शनि	17/11/2071
मंगळ	11/12/2064	राहु	20/04/2067	गुरु	07/08/2068	शनि	24/01/2070	बुध	12/04/2072
राहु	02/06/2065	गुरु	06/06/2067	शनि	06/11/2068	बुध	22/03/2070	केतु	12/06/2072
गुरु	03/11/2065	शनि	31/07/2067	बुध	27/01/2069	केतु	15/04/2070	शुक्र	03/12/2072
शनि	06/05/2066	बुध	18/09/2067	केतु	02/03/2069	शुक्र	21/06/2070	सूर्य	24/01/2073
बुध	16/10/2066	केतु	08/10/2067	शुक्र	06/06/2069	सूर्य	11/07/2070	चंद्र	20/04/2073
केतु	23/12/2066	शुक्र	05/12/2067	सूर्य	05/07/2069	चंद्र	14/08/2070	मंगळ	20/06/2073

शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य	
20/06/2073		01/01/2076		30/05/2078		27/05/2079		27/03/2082	
01/01/2076		30/05/2078		27/05/2079		27/03/2082		01/02/2083	
गुरु	21/10/2073	बुध	05/05/2076	केतु	20/06/2078	शुक्र	16/11/2079	सूर्य	12/04/2082
शनि	17/03/2074	केतु	25/06/2076	शुक्र	19/08/2078	सूर्य	06/01/2080	चंद्र	07/05/2082
बुध	26/07/2074	शुक्र	19/11/2076	सूर्य	07/09/2078	चंद्र	02/04/2080	मंगळ	26/05/2082
केतु	18/09/2074	सूर्य	02/01/2077	चंद्र	07/10/2078	मंगळ	01/06/2080	राहु	11/07/2082
शुक्र	19/02/2075	चंद्र	16/03/2077	मंगळ	28/10/2078	राहु	03/11/2080	गुरु	22/08/2082
सूर्य	06/04/2075	मंगळ	06/05/2077	राहु	21/12/2078	गुरु	21/03/2081	शनि	10/10/2082
चंद्र	23/06/2075	राहु	15/09/2077	गुरु	08/02/2079	शनि	01/09/2081	बुध	23/11/2082
मंगळ	16/08/2075	गुरु	11/01/2078	शनि	06/04/2079	बुध	26/01/2082	केतु	11/12/2082
राहु	01/01/2076	शनि	30/05/2078	बुध	27/05/2079	केतु	27/03/2082	शुक्र	01/02/2083

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

शुभाशुभ ज्ञान

शुभाशुभ ज्ञान करण्याची आपणास आपल्या मित्र व शत्रुविषयी बोध करते. मूलांक, भाग्यांक व, मित्रांकद्वारे मैत्री व भागीदारी करण्यात फायदा होईल, त्याच प्रमाणे शुभ दिवस व शुभवर्ष प्रगतिकारक ठरेल, शुभग्रहांची, दशा सुद्धा लाभकारक धरते, मित्रलग्न व मित्रराशि लाभदायक अस्ते.

शुभरत्न व धातु तसेच रंग धारण केल्याने शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य लाभते, भाग्य रत्न धारण केल्याने भाग्यवृद्धि होते. शुभ वेली कोणत्याही कार्यांचा आरम्भ केल्याने अपेक्षित यश मिलते. इष्टदेव–देवतांचे ध्यान व जप केल्याने मानसिक शक्ति वाढते व यश लवकर मिलते. शुभ पदार्थ, अन्न, द्रव्य इत्यादि चे दान केल्याने ही शुभफल मिलते. व्यापार–उधोग शुभ दिशेला केल्यास त्यात भरभराट होउन अपेक्षत लाभ होतो. शुभ–अशुभ ज्ञानाचा प्रयोग दैनंदिन जीवनात शुभफलदायी ठरतो.

मूलांक	7
भाग्यांक	7
मित्र अंक	2, 3, 6, 7
शत्रु अंक	4, 5, 8
शुभ वर्ष	25,34,43,52,61
शुभ दिवस	बुध, शुक्र
शुभ ग्रह	बुध, शुक्र
मित्र राशि	मीन, सिंह
मित्र लग्न	धनु, वृषभ, कर्क
अनुकूल देवता	हनुमान
शुभ रत्न	पन्ना
शुभ उपरत्न	संगपन्ना, ओपल
भाग्य रत्न	हीरा
शुभ धातु	कांसा
शुभ रंग	हरित
शुभ दिशा	उत्तर
शुभ समय	सकाली के बाद
दान पदार्थ	हत्ती दाँत, काफुर, फल
दान अन्न	मूँग
दान द्रव्य	तूप

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं. वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं. यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है. ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो. यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो. मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है. बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है. चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है. उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है. साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है. विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है. जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए. जिन्हें 50–75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए. जो रत्न केवल 25–50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए. अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
पन्ना	बुध	88%	कम खर्च, व्यावसायिक उन्नति, स्वास्थ्य
नीलम	शनि	84%	सन्तति सुख, शत्रु व रोग मुक्ति
हीरा	शुक्र	72%	कम खर्च, भाग्योदय, धन
मोती	चंद्र	70%	सुख, धनार्जन
पुष्कराज	गुरु	64%	धनार्जन, सुख, दम्पति
गोमेद	राहु	59%	सुख, धनार्जन
लहसुनिया	केतु	28%	व्यावसायिक हानि, व्यय
माणिक्य	सूर्य	12%	हानि, व्यय
पोवले	मंगळ	0%	व्यय, दुर्घटना, पराक्रम हानि

रत्न की शुभता

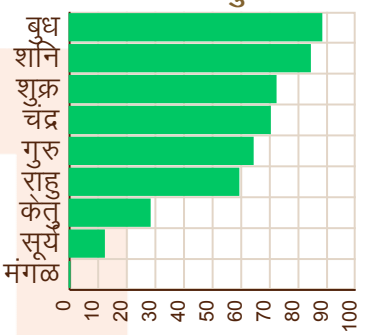

दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मोती	पोवले	पन्ना	पुष्कराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनिया
शुक्र	01/01/2000	0%	58%	0%	94%	64%	84%	90%	66%	41%
सूर्य	01/01/2006	38%	77%	0%	88%	70%	59%	72%	44%	3%
चंद्र	01/01/2016	25%	83%	0%	94%	64%	72%	84%	44%	3%
मंगळ	01/01/2023	25%	77%	0%	75%	70%	72%	84%	44%	41%
राहु	01/01/2041	0%	58%	0%	88%	64%	78%	90%	72%	3%
गुरु	01/01/2057	25%	77%	0%	75%	77%	59%	84%	59%	28%
शनि	01/01/2076	0%	58%	0%	94%	64%	78%	97%	66%	3%
बुध	01/01/2093	25%	58%	0%	100%	64%	78%	84%	59%	28%
केतु	01/01/2100	0%	58%	0%	88%	64%	78%	72%	44%	52%

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

साढ़ेसाती विषयी माहिती

गोचर शनि जेव्हां कुंडलीतीत चंद्राला बारावा, पहिला व दूसरा येईल, तेव्हा साडेसाती सुरु होते. कुंडलीतीत चन्द्राला गोचर शनि चौथा व आठवा आला असता, ढैय्या म्हणजे अडीचकी सुरु होते. साडेसाती चा प्रभाव साडेसात वर्ष व ढैय्या चा प्रभाव अडीच वर्षें मानला गेला आहे साडेसाती चा प्रभाव सामान्यापणे शारिरीक, मानसिक व आर्थिक त्रासाचा जातो तर काहीवेलप आश्चर्यचकित प्रगतिही या कालात होते.

सामान्यापणे मनुष्याच्या जीवनात साडेसाती तीन वेला एते– पहिल्यांदा बालपणि, दूस्रयांदा तरुणपणि व तीस्रयांदा म्हातारपणि. पहिलया साडेसाती चा प्रभाव शिक्षण व आई–वडिलावर पडतो. दुस्रया साडेसाती चा प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति व कुटुंबावर पड़तो. तिसरया साडेसाती चा प्रभाव शारिरीक आरोग्यावर पडतो.

खाली दिलेल्या कोष्टकवरुन साडेसाती चा काल व प्रत्येक अडीचकी (ढय्या) चे शुभाशुभ फलासंबंधीची माहिती समजू शकेल.

प्रथम चक्रः

साढ़ेसातीचा तीसरा चरण	25/07/1991-05/03/1993	15/10/1993-10/11/1993	----------
चतुर्थस्थान चरण	02/06/1995-10/08/1995	16/02/1996-17/04/1998	----------
अष्टमस्थान चरण	06/09/2004-13/01/2005	26/05/2005-01/11/2006	10/01/2007-16/07/2007
साढ़ेसातीचा पहला चरण	02/11/2014-26/01/2017	21/06/2017-26/10/2017	----------
साढ़ेसातीचा दूसरा चरण	26/01/2017-21/06/2017	26/10/2017-24/01/2020	----------

द्वितीय चक्रः

साढ़ेसातीचा तीसरा चरण	24/01/2020-29/04/2022	12/07/2022-17/01/2023	----------
चतुर्थस्थान चरण	29/03/2025-03/06/2027	20/10/2027-23/02/2028	----------
अष्टमस्थान चरण	13/07/2034-27/08/2036	----------	----------
साढ़ेसातीचा पहला चरण	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	----------
साढ़ेसातीचा दूसरा चरण	08/12/2046-06/03/2049	10/07/2049-04/12/2049	----------

तृतीय चक्रः

साढ़ेसातीचा तीसरा चरण	06/03/2049-10/07/2049	04/12/2049-25/02/2052	----------
चतुर्थस्थान चरण	14/05/2054-02/09/2054	05/02/2055-07/04/2057	----------
अष्टमस्थान चरण	24/08/2063-06/02/2064	09/05/2064-13/10/2065	03/02/2066-03/07/2066
साढ़ेसातीचा पहला चरण	05/02/2073-31/03/2073	23/10/2073-16/01/2076	11/07/2076-11/10/2076
साढ़ेसातीचा दूसरा चरण	16/01/2076-11/07/2076	11/10/2076-15/01/2079	----------

शनि चा ढैया फल

ढैया चा प्रकार	फल	क्षेत्र
साढ़ेसातीचा तीसरा चरण	शुभ	सन्तति सुख
चतुर्थस्थान चरण	शुभ	दम्पति
अष्टमस्थान चरण	सम	अल्प बचत
साढ़ेसातीचा पहला चरण	सम	पराक्रम हानि
साढ़ेसातीचा दूसरा चरण	सम	सुख

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

साढेसाती वर उपाय

शनि च्या साडेसाती दरम्यान होणार्या अशुभ प्रभावांची तीव्रता कमी होना साठी दान, पूजन व्रत, मंत्रोच्चार आदि उपाय आहेत. शनिवारी काली काम्बल, काली उड़द, काले–तिल, कालयारंगाची चर्मची चप्पल, काले कापड़, लोखंडाचे दान करावे. शनिदेवाची पूजा, दर्शन व शनिवार चा उपवास करावा उपावास च्या दिवशी फले उड़द चा खाध वस्तु, हरभरे, बेसन, काले तिल, काले मीठ या वस्तुंचेच सेवन करावे पाईजे. स्वतः किवां योग्य गुरुजीकड्न खालील शनिमंत्रचा 19000 जप करुन ध्यावा.

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि चा साडेसातीत शारीरिक, मानसिक व कौटुंबिक शान्ति आणि समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता व अंगीकृत कार्यात प्रगति होण्या साठी खालील महामृत्युंजय मंत्रचा 125000 जप स्वतः करावा किंवा योग्य पूरोहिताकड्न करवून ध्यावा.

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

किवां खालील मंत्रचा कमीत कमी 108 वेला जप करावौं.

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

साढ़ेसाती च अशुभत्व कमी करुन् शुभत्व वाढवण्या साठी 5–1/4 रत्ती वजना च नीलम रत्न पंचधातु उजव्या हाताचा मध्ल्या बोटात धारण करावे. घोडायाच्या नालेची किंवा बोटीच्या कीलची अंगठी मधल्या बोटात वापरवी.

अंगठी किंवा पेन्डन्ट शुक्ल पक्षा चा शनिवारी सायंकाली सूयदृस्ता चा अर्धातास पूवदृ धारण करावी. पुष्य, अनुराधा किंवा उतरा भाद्रपदा या नक्षत्र पैकी जे नक्षत्र शनिवारी असेल त्या दिवशी अंगठी धारण करावी. अंगठी धारण करण्या पूवदृ शुद्ध निरसे दूध व गंगाजलानें अंगठीस अभिषेक करावा. धूप–दीप लावून पूजा करावी व खालील मंत्र 108 वेला जपून अंगुठी धारण करावी.

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगठी धारण केल्या नंतर शनि च्या वस्तूंचे दान करावे या मुले शनिचा अशुभ परिणामांची तीव्रता कमी होईल व आपल्या सुख–शान्ति–समृद्धि ची वाढ़ होईल.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

मांगलिक विचार

जेह्वा वर किंवा कन्या ची कुंडलीत मंगळ, लग्न चतुर्थ, सप्तम, तसेच द्वादश भाव असेल तेह्वा असे जातक मंगळ दोषी होतात.।। यथोक्तम।। लग्ने व्यये च पातले जामित्रे चाष्टमे कुजे. स्त्री भर्तुविनाशाय भर्तुः पत्नी विनाशयेत्. मांगळिक दोष लग्न पासून जास्ती प्रबल होतात, पण चंद्रमा पासून यांचा दोष कम आहे. जर शस्त्रनुसार वर अणि कन्या चा मांगळिक दोष भंग होतात तर यांचे दम्पती जीवन सुखी अणि प्रसन्नता युद्ध होणार. यांचे विपरीत बगैर दोष भंग झाले, मांगळिक वर कन्या ला जीवनां चे अनेक अनावश्यक त्रास तसेच अडचणांचे सामना होणार. अतः विवाहा पूर्वी शुद्ध कुंडली मिलान करून हा दोष उचित निवारण करून दांपत्य जीवन शुरू कराय ला पहिजे. ज्यापासून जीवनात शान्ती तसेच संपन्नता होणारी.

****

तुमची जन्म कुंडळी मधे मंगळ ची स्थिति लग्न पासून द्वादश भावात आहे अतः आपण एक मांगळिक पुरुष आहे कारण कीं तुमची कुंडळी मधे हा दोष काही प्रकारी भंग नाय होतात. अतः यांचा प्रभाव पासून तुमची वृत्ति व्यय करायची होणारी तसेच खर्चे जास्ती होणार. कधीं–मधीं आर्थिक त्रास होउ सकतात पण असी स्थिति जास्ती वेळ पर्यन्त नाय रहणारी. शारीरिक स्वास्थ्य चांगळा रहणार. कधीं–मधीं मनाचे उद्वेग होउ सकतात सांसारिक महत्वपूर्ण कार्य मधे अडचणे पण येणारी यांचा सामना आणि समाधान कराय साठी समर्थ होणारे. बायको चा स्वास्थ्य सामान्य रहणार कधीं–मधीं उष्णता पासून मतभेद होउ सकतो. सांसारिक सुखाचा उपभोग कराय साठी काही अडचणे होउ सकतात मंगळ चे हा प्रभाव पासून तुमचे विवाह काही उशीर होणार पण सफळता अवश्य मिळेल विवाह गोष्ठी मधे काही त्रास होऊ सकतो. पण विवाह नंतर परस्पर सम्बंध समान आणि अनुकूळ रहणार. तसेच दांपत्य जीवन सुखी आणि समर्थवान होणार. जन्म कुंडळीत मंगळ दृष्टि द्वादश होण्या पासून खर्चे जास्ती होणार पण धन एकत्रित पण रहणार. तृतीय भावात मंगळ दृष्टि होण्या मुळे भाऊ–ताई चा सुख सहयोग सामान्य रहणार तसेच पराक्रम मधे वृद्धि होणारी. षष्ठ भाव वर मंगळ ची दृष्टि पासून शत्रु पक्ष पराजित कराय साठी समर्थवान रहणारे कधीं–मधीं उष्णता पासून त्रास होणार सप्तम भाव वर दृष्टि होण्या मुळे बायको चा स्वास्थ्य सामान्य रहणार तसेच स्वभावात उष्णता आणि दांपत्य जीवन मधुर रहणार ह्या प्रकारी आपले दांपत्य जीवना ला जास्ती सुखी आणि आनंद युद्ध ठेवाय साठी तुम्हाळा असी कन्या बरोबर विवाह करायळा पाहिजे ज्यांचा मांगळिक दोष भंग असेल ह्या साठी कन्या ची कुंडळी मधे प्रथम, चतुर्थ सप्तम, अष्टम, आणि द्वादश भाव मधे शनि किंवा राहु सारख्या पापी ग्रहाची स्थिति होणार पाहिजे असा होण्या वर तुमचे सुख सौभाग्य मधे वृद्धि होणारी तसेच ऐश्वर्य युद्ध होउन दांपत्य जीवन व्यतीत करणारे आणि सहयोग साठी तत्पर रहणारे.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। अतः इस योग से ग्रसित जातकों के लिए आवश्यक है कि वे इस काल सर्प योग का निदान करा लें। जिससे कि कुंडली के शुभ योगों के फल पूर्णयता मिलते रहें।

द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

यदि लग्न कुंडली में सभी सातों ग्रह राहु से केतु के मध्य में हो लेकिन अंशानुसार कुछ ग्रह राहु केतु की धुरी से बाहर हों तो आंशिक काल सर्प योग कहलाता है। यदि कोई एक ग्रह राहु-केतु की धुरी से बाहर हो तो भी आंशिक काल सर्प योग बनता है।

यदि राहु से केतु तक सभी भावों में कोई न कोई ग्रह स्थित हो तो यह योग पूर्ण रूप से फलित होता है। यदि राहु-केतु के साथ सूर्य या चंद्र हो तो यह योग अधिक प्रभावशाली होता है। यदि राहु, सूर्य व चंद्र तीनों एक साथ हो तो ग्रहणकाल सर्प योग बनता है। इसका फल हजार गुना अधिक हो जाता है। ऐसे जातक को काल सर्प योग की शांति करवाना अति आवश्यक होता है।

काल सर्प योग का प्रभाव

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं।

काल सर्प योग के औपचारिक उपाय के द्वारा इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है। जन्मपत्रिका के अनुसार जब-जब राहु एवं केतु की महादशा, अंतर्दशा आदि

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

आती है तब तब यह योग असर दिखाता है। गोचर में राहु व केतु का जन्मकालिक राहु-केतु व चंद्र पर भ्रमण भी इस योग को सक्रिय कर देता है। उस समय विशेष ध्यान देकर पूजा अर्चनादि श्रद्धा विश्वास के साथ करें, अवश्य लाभ होगा। कालसर्प योग यंत्र के सम्मुख 43 दिन तक सरसों के तेल का दीया जलाने से भी इन कष्टों से राहत एवं छुटकारा प्राप्त किया जा सकता है।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मकुण्डली में शंखपाल नामक कालसर्प योग विद्यमान है। लेकिन यह केवल आंशिक रूप में विद्यमान है। फलस्वरूप जातक का वैवाहिक जीवन सामान्य होते हुए भी कभी दुःखमय हो जाता है। माता-पिता एवं पारिवारिक सदस्य से कभी-कभी जातक नुकसान प्राप्त करता है। विद्याध्ययन में थोड़ी बहुत बाधा आती है। नौकर चाकर सवारी आदि से भी जातक को कोई न कोई चिन्ता परेशानी घेरे रहती है।

इस योग के कारण जमीन-जायदाद, चल-अचल, घर-द्वार सम्बन्धी वस्तुओं पर कभी-कभी थोड़ा बहुत परेशानी आती रहती है। जातक अनेक कामों को एक साथ करता है। पर कोई भी काम प्रायः पूरा नहीं होता है।

इस योग के प्रभाव से जातक के शरीर में कभी कोई रोग व्याधि घेर लेती है। जिसमें सामान्य से थोड़ा विशेष खर्च हो जाने के कारण आर्थिक स्थिति असामान्य हो जाती है। अर्थात नाजुक हो जाती है और कालान्तर में पुनः आर्थिक स्थिति सामान्य हो जाती है।

इसके प्रभाव से जातक को बेवजह चिन्ता-परेशानी ग्रसित कर लेती है। कार्यारम्भ में अनेक प्रकार के व्यवधान उपस्थित हो जाते हैं। जो कालान्तर में वे व्यवधान स्वतः नष्ट हो जाते हैं। जातक कितना भी परिश्रम कर ले पर सुख प्राप्ति में बाधा व संघर्ष की स्थिति बनी रहती है। इस योग के प्रभाव से व्यवसाय के क्षेत्र में जातक को सफलता मिलती है और राजनीति एवं नौकरी में सफलता प्राप्त होती है और सामाजिक मान सम्मान भी प्राप्त होता है।

यदि आप कभी उपरोक्त परेशानी महसूस करते हैं तो निम्नलिखित उपाय करें। अवश्य लाभ मिलेगा।

1. काल सर्प दोष निवारण यंत्र घर में स्थापित करके, इसका नियमित पूजन करें।
2. ऊँ नमः शिवाय' का प्रतिदिन 108 बार जप करें। कुल जप संख्या- 21000।
3. ताम्बे के लोटे में नाग के जोड़े बहते पानी में एक बार प्रवाहित करें।
4. नवनाग स्तोत्र का एक वर्ष तक प्रतिदिन पाठ करें।
5. राहु के महादशा, अन्तर्दशा आने पर राहु मन्त्र के जाप कम से कम प्रतिदिन 108 बार करें। जप संख्या अट्ठारह हजार (18000) है।
6. शुभ मुहूर्त्त में अभिमन्त्रित गोमेद धारण करें।
7. श्रावणमास में 30 दिन तक महादेव का अभिषेक करें।
8. सरस्वती जी की एक वर्ष विधिवत उपासना करें।
9. राहु कवच एवं स्तोत्र का पाठ करें।
10. प्रत्येक सोमवार को दही से भगवान शंकर पर - ऊँ हर हर महादेव कहते हुए अभिषेक

करें। यह केवल 16 सोमवार तक करें।
11. रसोईघर में बैठकर भोजन करें।
12. शुभ मुहूर्त्त में बहते पानी में कोयला तीन बार प्रवाहित करें।
13. गोमेद, सुवर्ण, तिल, सरसों, नीलवस्त्र, खड्ग, कम्बल, आदि समय-समय पर दान करें।
14. शुभ मुहूर्त में मुख्य द्वार पर चाँदी का स्वस्तिक एवं दोनो ओर धातु से निर्मित नाग चिपका दें।
15. हनुमान चालीसा का 108 बार पाठ करें।

विशेष

ध्यान रखें कालसर्पयोग का पूजन केवल श्रीखण्ड चन्दन से करें। कुंकुम, सिन्दूर, रोली आदि का प्रयोग न करें। तिरुपति बालाजी के पास कालाहस्ती शिव मंदिर में जाकर कालसर्प योग की शांति का उपाय विधि-विधान से एक बार करें अथवा 12 ज्योतिर्लिंग में से किसी भी ज्योतिर्लिंग में जाकर पूजा करें जैसे - कि सौराष्ट्र गुजरात में सोमनाथ मंदिर, महाराष्ट्र के नासिक में त्रयंबकेश्वर मंदिर, उज्जैन, भीमाशंकर, नागेश्वर, रामेश्वर, वगेरे।

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

पितृदोष विचार

पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक चहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन-पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता-पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार-बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियां अनुकूल न हो जाएं।

पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।
6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा-फसाद होना।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना।
10. परिवार में बार-बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11. शिक्षा में बाधाएं आना।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराउंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंडे जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर-बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।
9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

11. पितृ गायत्री का अनुष्ठान करवाएं –

ऊँ देवताभ्य पितृभ्यश्च महायोगिभ्येव च।
नमः स्वाहायै स्वधायैः नित्यमेव नमो नमः।।

12. पितृ दोष निवारण उपायों में गया में पिंडदान, गया श्राद्ध तथा पितृ भोग अर्पण आदि क्रियाएं करते हुए उपरोक्त पितृ गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
13. श्री कृष्ण मुखामृत गीता का पाठ करें।

पितृ पूजा के लिए आवश्यक निर्देश :

1. पितरों को मांस वाला भोजन न अर्पित करें।
2. पूजा के दिन स्वयं भी मांस भक्षण न करें।
3. पितृ पूजा में स्टील, लोहा, प्लास्टिक, शीशे के बर्तन का प्रयोग न करें। मिट्टी या पत्तों के बर्तनों का ही प्रयोग करें।
4. पितृ पूजा में घंटी न बजाएं।
5. पितृ पूजा करने वाले व्यक्ति की पूजा में व्यवधान न डालें।
6. बुजुर्गों का सम्मान करें।
7. पितरों के निमित्त किये जाने वाले गौ-दान से पितृ तृप्त होते हैं।
8. घर में पीने का पानी रखा जाता है उस स्थान पर विशेष पवित्रता रखें। यह स्थान पितृों का स्थान माना जाता है।
9. पितृ कर्म हेतु साल में 12 मृत्यु तिथि, 12 अमावस्या, 12 पूर्णिमा, 12 संक्रांति, 12 वैधृति योग, 24 एकादशी व श्राद्ध के 15 दिन मिलाकर कुल 99 दिन होते हैं।

आपकी कुण्डली में पितृदोष

- नवम् भाव के स्वामी पर राहु का प्रभाव है।
- लग्नेश द्वादश भाव में स्थित है और उस पर राहु का प्रभाव है।

आपकी कुडली में बुध और शुक्र के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में बुध पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी महिला सदस्य द्वारा बच्चों पर किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ आप बहन, बुआ तथा मौसी की सेवा करके आर्शीवाद लें तथा तोते को हरी मिर्च खिलाकर पिंजड़े से मुक्त कर दें।

आपकी कुंडली में शुक्र पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी महिला पूर्वज द्वारा किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ गरीब या जरूरतमंद स्त्रियों, कन्याओं को तथा पत्नी को दान दें। 11 वर्ष से छोटी 9 कन्याओं को मंदिर में खीर खिलायें।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह त्र्यंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

रुद्राक्ष

रुद्राक्ष को शिव का अश्रु कहा जाता है। रुद्राक्ष दो शब्दों के मेल से बना है पहला रुद्र का अर्थ होता है भगवान शिव और दूसरा अक्ष इसका अर्थ होता है आंसू। माना जाता है की रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वह मोती स्वरूप बूँदें हैं जिसे ग्रहण करके समस्त प्रकृति में आलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव के ह्रदय में पहुँचकर उसे जागृत करने में सहायक हो सकी।

रुद्राक्ष की भारतीय ज्योतिष में भी काफी उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को नष्ट करने में रुद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गम्भीर रोगों में यदि जन्मपत्री के अनुसार रुद्राक्ष का उपयोग किया जाये तो आश्चर्यचकित परिणाम देखने को मिलते है। रुद्राक्ष की शक्ति व सामर्थ्य उसके धारीदार मुखों पर निर्भर होती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रुद्राक्ष विशेष रूप से पाए जाते है, उनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता अलग-अलग मुख रूप में दर्शित होती है। रुद्राक्ष धारण करने से जहां आपको ग्रहों से लाभ प्राप्त होगा वहीं आप शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करने से, उस की माला को धारण करने से समस्त पापो का और विघ्नों का नाश होता है ऐसा महादेव का वरदान है, परन्तु धारण की उचित विधि और भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रुद्राक्ष दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर रुद्राक्ष के मुख निर्धारित किये जाते हैं। रुद्राक्ष के बीचों-बीच एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक रेखा होती है जिसे मुख कहा जाता है। रुद्राक्ष में यह रेखाएं या मुख एक से 14 मुखी तक होते हैं और कभी-कभी 15 से 21 मुखी तक के रुद्राक्ष भी देखे गए हैं। आधी या टूटी हुई लाईन को मुख नहीं माना जाता है। जितनी लाईनें पूरी तरह स्पष्ट हों उतने ही मुख माने जाते हैं।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष का अलग-अलग महत्व और उपयोगिता का उल्लेख किया गया है -

एक मुखी - सूर्य ग्रह - स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्म - विश्वास, आध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार और शत्रुओं पर विजय प्राप्त कराता है।

दो मुखी - चंद्र ग्रह- वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यापार में सफलता और स्त्रियों के लिए इसे सबसे उपयुक्त माना गया है।

तीन मुखी - मंगल ग्रह- शत्रु शमन और रक्त सम्बन्धी विकार को दूर करने में सहायक होता है ।

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

चार मुखी - बुध ग्रह- शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि - विवेक, और कामशक्ति में वृद्धि प्राप्त कराता है।

पांच मुखी - गुरू ग्रह- शारीरिक आरोग्यता, अध्यात्म उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता के लिए भी इसका उपयोग किया होता है।

छः मुखी - शुक्र ग्रह - प्रेम सम्बन्ध, आकर्षण, स्मरण शक्ति में वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्यो में पूर्णता और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराता है।

सात मुखी - शनि ग्रह- शनि दोष निवारण, धन-संपत्ति, कीर्ति, विजय प्राप्ति, और कार्य व्यापार आदि में बढ़ोतरी कराने वाला है।

आठ मुखी - राहू ग्रह- राहु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, ज्ञानप्राप्ति, चित्त में एकाग्रता, मुकदमे में विजय, दुर्घटनाओं तथा प्रबल शत्रुओं से रक्षा, व्यापार में सफलता और उन्नतिकारक है।

नौ मुखी - केतू ग्रह- केतु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, सुख-शांति, व्यापार वृद्धि, धारक की अकालमृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटना का भी भय नहीं रहता।

10 मुखी - भगवान महावीर- कार्य क्षेत्र में प्रगति, स्थिरता व वृद्धि, सम्मान, कीर्ति, विभूति, धन प्राप्ति, लौकिक-पारलौकिक कामनाएँ पूर्ण होती हैं।

11 मुखी - इंद्र ग्रह- आर्थिक लाभ व समृद्धिशाली जीवन, किसी विषय का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी - भगवान विष्णु ग्रह- विदेश यात्रा, नेतृत्व शक्ति प्राप्ति, शक्तिशाली, तेजस्वी बनाता है। ब्रह्मचर्य रक्षा, चेहरे का तेज और ओज बना रहता है। शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी - इंद्र ग्रह- सर्वजन आकर्षण व मनोकामना प्राप्ति, यश-कीर्ति, मान-प्रतिष्ठा व कामदेव का प्रतीक है। उपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए विशेष उपयोगी है।

14 मुखी - शनि ग्रह- आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति, धन प्राप्ति व कष्टनिवारक हैं। शनि की साढ़ेसाती या ढैया में विशेष कष्टनिवारक है।

आपकी कुडंली और रूद्राक्ष

आपकी कुंडली कन्या लग्न की है। कन्या लग्न पर बुध का प्रभाव होने से आप अत्यंत बुद्धिमान होते हैं। आपका व्यक्तित्व ऐसा होता है कि कोई भी सहजता से आपकी ओर आकर्षित हो जाता है। आपका मस्तिष्क अत्यंत रचनात्मक होता है। पृथ्वी तत्त्व होने से जिस प्रकार पृथ्वी सभी को धारण करती है उसी प्रकार आपके अन्दर भी सहनशीलता कूट-कूट कर भरी होती है। वायु प्रकृति होने से आप स्वयं को हर परिस्थिति में ढाल लेते हैं। सभी को माफ करने का स्वभाव, विपरीत परिस्थितियों में धैर्य रखना एवं समस्याओं का समाधान निकालना की क्षमता आपको विशिष्ठ व्यक्तित्व बनाता है। लग्नेश बुध के कारण भाषा पर अच्छी पकड़ एवं वाणी की कुशलता तथा किसी भी बात का तर्कपूर्ण तथ्य आप चाहते हैं।

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

कुंडली का 6, 8 व 12 वां भाव त्रिक भाव होने के कारण विशेष अशुभता लिए होते हैं। आपकी कुंडली में पंचमेश व षष्टेश शनि है, अष्टमेश व तृतीयेश मंगल तथा द्वादशेश सूर्य हैं। इन भावों की अशुभता आपके जीवन में रोग, ऋण, शत्रु, आयु, बाधाएं, शोक, स्वास्थ्य हानि, अस्पताल, कोर्ट-कचहरी, जेल, व्यय और हानियों का विश्लेषण किया जाता है। त्रिक भाव के स्वामी जिस भाव में जाते हैं, उसके शुभ फलों का कुछ न कुछ नाश अवश्य करते है। जिसके फलस्वरूप आपको मानसिक, सामाजिक, आर्थिक या पारिवारिक कष्टों का सामना करना पड़ता हैं। 6, 8 व 12 भावों में से 8 वां भाव सबसे अधिक दुष्ट/अशुभ होता हैं।

आपकी कुंडली में पंचमेश व षष्टेश शनि है, पंचमेश- षष्टेश शनि आपको विद्या, बुद्धि, विवेक, वाणी, संतान, भय, ऋण, रोग, पाप कर्म, संघर्ष, कष्ट, परिश्रम, धैर्य, मामा व ननिहाल पक्ष के लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता हैं।

अष्टमेश व तृतीयेश मंगल आपके पराक्रम, पुरुषार्थ में कमी करता हैं, साथ ही बाहुबल, भाई-बहन के सुखों में कमी, अस्पताल, पुलिस-कोर्ट कचहरी के मामले परेशानियों का कारण बन सकते हैं।

द्वादशेश सूर्य, द्वादश भाव का स्वामी सूर्य नेत्र रोग, व्यय, हानि, सरकारी दंड, कारागार, सम्बन्ध विच्छेद का कारक बन सकता हैं।

मंगल द्वादश भाव में है। पुरुषार्थ से किये गए सभी कार्य आपके सफल हो सकते है। आपका स्वभाव कठोर, शंकालु, असत्यभाषी, अल्प धर्मपरायण, शत्रुहन्ता, मामा को कष्ट, बाहर के लोगों द्वारा धन-नाश, वात- पित रोगी, और संतान जन्य चिंता दे सकता है ।

बुध द्वादश भाव में स्थित है, आप शत्रुओं पर बुद्धि-चतुरता से विजय प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपको आलस्य भाव से बचना चाहिए, साथ ही कठोर वचन बोलना भी मित्र वर्ग में आपके संबंधों की मधुरता में कमी कर सकता है।

शुक्र आपकी कुंडली के द्वादश भाव में स्थित है, आपको स्वार्थ भावना का त्याग करना चाहिए, व्यर्थ के कामों में आप अत्यधिक व्यय कर सकते है, आत्मीय जनों से मनमुटाव हो सकता है, विरोधियों के कपट को न समझते हुए आप उनसे आत्मीयता रखे। जीवन साथी की भावनाओँ को आहात करने से बचे। या आपको विवाहेत्तर संबंधों में रूचि हो सकती है, अवस्था बढ़ने के साथ साथ आप पर मोटापा हावी हो सकता है।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 1, 3, 4, 6, 7 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में डालकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध कर ॐ नम शिवाय मंत्र के 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदुपरांत शिवजी को कच्चा दूध चढ़ाए। क्षमतानुसार दान करे। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलेगा एवं विशेष कष्टों में न्यूनता आएगी। कुंडली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप शिव कृपा रुद्राक्ष माला जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है, भी धारण कर सकते हैं। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती हैं।

उपरोक्त कवच बिना दशा, गोचर विचार के आपको जीवन भर धारण करना चाहिए। क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के अवगुणों को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक हैं।

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

शारीरिक सौष्ठ, व्यक्तित्व आणि प्रकृति

कन्या लग्नामध्ये जन्म झाल्यामुळे आपले आरोग्य सामान्य असेल, पण स्वभावात चांचल्य असेल. आपले व्यक्तिमत्व लज्जा व शीलयुक्त असेल. त्यामुळे इतरांसमोर सादर होताना त्रास होईल पण एकदा मित्रत्व झाल्यावर मोकळ्या स्वभावाने सर्वांना प्रभावित व आकर्षित कराल. अभ्यासात रूची राहील व विभिन्न शास्त्रांचे अध्ययन करून त्याचे ज्ञान प्राप्त कराल. सद्‌गुण संपन्न असाल आणि सर्व लोक प्रभावित होतील. भाग्यशाली असाल आणि अधिकांश शुभ व महत्वाची कामे सौभाग्यानेच संपन्न होत राहतील, त्यासाठी खूपच कमी कष्ट करावे लागतील. स्त्रियांकडे जास्त आकर्षण असेल.

जीवनात मित्र कमी असतील. विचारी असाल आणि कलाकार, लेखक, वक्ता, मनोवैज्ञानिक किंवा टीकाकार आदि मध्ये यश प्राप्त करू शकता. बुद्धिमत्ता तीव्र असेल आणि गूढतम गूढ तत्वे प्राप्त करण्यात यश मिळेल. भौतिक सुख संसाधनांचे तीव्र आकर्षण असेल आणि कष्टाने ती प्राप्त करून त्याचा उपभोग घ्याल. आपल्या भावना गुप्त ठेवण्यात चतुर असाल आणि त्यामुळे पहिल्या भेटीतच तुम्हाला समजून घेण्यास लोक असमर्थ असतील. स्वतःहून पुढे होऊन एखादे कार्य करण्यास संकोच कराल त्यामुळे कधी कधी त्यातून हानी व त्रास होऊ शकतो.

राजकारणात रूची कमी असेल, पण राजकारण्यांचे सचिव किंवा सल्लागाराचे काम उत्तमरित्या करू शकाल. कारण आपली बुद्धि कठीणातील कठीण प्रश्नांचे उत्तर शोधण्यास समर्थ असेल. त्यामुळे नोकरी करण्यात आपल्याला फारशी अडचण येणार नाही. भावुकता कमी असेल आणि आपल्या सर्व कामामध्ये बुद्धि व विवेकचाच वापर कराल. त्यामुळे सर्व लोक आपल्या बुद्धि मत्तेची प्रशंसा करतील समाजामध्ये प्रतिष्ठा वाढेल. प्रेमाच्या क्षेत्रात पावित्र्य राखाल. व्यापार किंवा बॅंक आदि क्षेत्रात धनार्जन करू शकता. अशाप्रकारे आपल्या शांत स्वभाव, कष्टाळू, कार्यदक्ष, विवेकी, बुद्धिमान, गुणवान व विचारवंत या रूपांमध्ये आपला परिचय ठेवण्यात समर्थ राहाल व धनऐश्वर्य व वैभव प्राप्त कराल. यथोक्तम–

कामक्रीडा सद्‌गुणज्ञान सत्वकौशालाद्यैः संयुक्तः सुप्रसन्नः।
लग्न कन्या यस्य जन्या जघन्यां कन्यां क्षीराब्धेरवाप्नोति नित्यम्।।

– जातकाभरणम

म्हणजेच कन्या लग्नामध्ये जन्मलेला जातक कामक्रीडामध्ये निपुण, सद्‌गुणी, ज्ञानवान, कार्यकुशल, सर्वदा प्रसन्न व लक्ष्मीवान असतो.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

धन, कुटुंब, डोळा आणि वाणी

आपल्या जन्मसमयी द्वितीय भावामध्ये शुक्राची तूळ राशी उदित होती. याच्या प्रभावामुळे आपले कौटुंबिक जीवन सुख शांती व समृद्धियुक्त असेल आणि सर्व कुटुंब परस्पर प्रेमपूर्वक राहतील आणि एकमेकांना पूर्ण सुख व मदत करतील. वाक्चातुर्याने अनेक शुभ व महत्वाची कामे सिद्ध करण्यामध्ये सफळ व्हाल. प्रौढावस्थामध्ये काही प्रमाणात डोळ्यासंबंधी कष्ट होऊ शकतात.

धर्मावर आपल्या मनामध्ये आस्था असेल आणि वेळोवेळी धार्मिक व इतर शुभ मांगलिक कार्य संपन्न करत राहाल. त्याचबरोबर इतर उत्सवांचे आयोजन करण्यात रूची राहील. पैतृक संपत्ती प्राप्त होईल आणि अनेक प्रयत्न व कष्टाने वांछित धनऐश्वर्य व वैभव प्राप्त कराल. कुटुंबाला प्रसन्न व सुविधा देण्यासाठी नेहमी प्रयत्न करत राहाल. समाजामध्ये आदरणीय व्यक्ती असाल आणि सौभाग्याने आपले जीवन सुख व प्रसन्नपूर्वक व्यतित होईल. व्यापारातून वेळोवेळी लाभ होत राहील.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

आई, वाहन, भौतिक ऐश्वर्य, भूमि आणि शिक्षा

आपल्या जन्मसमयी चतुर्थ भावामध्ये गुरूची धनु राशी उदित होती. याचा प्रभावामुळे आपली आई उत्तम गृहिणी असेल आणि आपल्या वडिलांचा कामात ढवळाढवळ कमी करणारी असेल. त्याचबरोबर जोपर्यंत विचारत नाही तोपर्यंत कोणताही सल्ला देणार नाही. तिची प्रवृत्ती सामंजस्याने राहण्याची असेल. स्वभावाने शांत, चतुर व योग्य स्त्री असेल. पतीसंबंधी तिचा व्यवहार नम्रतेचा असेल आणि पतीने एखादा चुकीचा निर्णय घेतला तर त्यासंबंधी योग्य सल्ला देईल. त्याचबरोबर ती एक विश्वसनीय, कर्तव्यपरायण व प्रसन्न चित्ताची स्त्री असेल आणि बुद्धि मत्तेचा भाव असेल.

आपले घर सुंदर व आकर्षक असेल. छोट्या घरात राहणे आपल्याला चांगले वाटत नाही, त्यामुळे आपल्यासाठी एखाद्या समृद्ध जागेत घर निर्माण कराल. त्याचबरोबर भरपूर मोकळ्या जागेत राहाणे आवडेल जिथे मित्र व अतिथींबरोबर मनोरंजन करू शकाल. घरामध्ये आपण अनेक प्रकारची भौतिक उपकरणांची व्यवस्था कराल आणि त्यांनी घर सजवून सुंदर व आकर्षक ठेवाल. अशाप्रकारे सुसज्जित, आधुनिक घराची अपेक्षा ठेवाल. त्याचबरोबर उत्तम वाहनादिचा लाभ होईल व त्याचा उपभोग घ्याल. पैतृक संपत्ती प्राप्त होईल आणि त्यातून वेळोवेळी लाभ होईल. उच्च शिक्षण प्राप्त कराल. विज्ञान, साहित्य किंवा गणित विषयांमध्ये विशेष रूची राहील आणि तत्संबंधी उच्च शिक्षण प्राप्त होईल. त्याचबरोबर गुप्त धन किंवा विद्या पासून सुद्धा लाभ होत राहतील.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

बुद्धि, सन्तान आणि लग्न सम्बन्ध

आपल्या जन्मसमयी पंचम भावामध्ये शनिची मकर राशी उदित होती. याच्या प्रभावामुळे आपण बुद्धिमान, कूटनीतिज्ञ, चतुर आणि आपले काम करण्यास दक्ष असाल. सामान्यपणे शैक्षणिक कामासाठी विशेष कष्ट घ्याल आणि उच्च शिक्षण घेण्यात यश मिळेल. वैदिक साहित्य व ज्ञानामध्येसुद्धा आपल्याला रूची असेल आणि कष्टाने त्याचे तसेच ज्योतिषसंबंधी ज्ञान प्राप्त कराल. त्याचबरोबर जुने रीतिरिवाज मानणारे असाल.

संतती असेल आणि आयुष्यभर त्यांचे पूर्ण सुख व मदत मिळत राहील. कौटुंबिक कर्तव्ये पार पाडण्यात समर्थ असाल. पत्नी व मुलांवर माया असेल, पण त्याचे प्रदर्शन करू शकणार नाहीत, त्यामुळे पत्नी किंवा मुलांमध्ये आपल्या विषयी गैरसमज निर्माण होऊ शकतो. नंतर गैरसमज दूर होऊन कौटुंबिक सौख्य वाढेल. आपल्या अंतरातील भावना प्रगट करू शकणार नाहीत तसेच भावुकतेचे प्रमाण कमी असेल. हळूहळू व कष्टाने आपले काम पूर्ण कराल. प्रेमात अपयशी व्हाल पण संततीचे पूर्ण सुख लाभेल. मुले उच्च शिक्षण प्राप्त करतील व वाहनसुख लाभेल. चांगले विचार घेऊन कधी कधी कठीण काम पूर्ण करणारे तसेच मनाचा देखील कधी कधी कठोरपणा दाखवाल.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

दम्पति, विवाह आणि साझेदार

आपल्या जन्मसमयी सप्तम भावामध्ये गुरूची मीन राशी उदित होती. याच्या प्रभावामुळे आपली पत्नी सुंदर, बुद्धिमान व सुशिक्षित असेल. तिचे डोळे अत्यंत आकर्षक असतील. दोघांमध्ये परस्पर उत्तम सामंजस्य असल्यामुळे दाम्पत्य जीवन सुख व प्रसन्नतेने जाईल. दाम्पत्य जीवनाला सामाजिक गरज समजून स्वीकाराल. विवाहानंतर आपल्या पत्नीला पूर्ण सुख व आराम प्रदान कराल आणि तिच्या सुख दु:खाची पूर्ण काळजी घ्याल. तीसुद्धा आपली पूर्ण काळजी घेईल.

व्यापार किंवा व्यवसाय क्षेत्रामध्ये आपल्याला अत्यंत सावधपूर्वक आपल्या भागीदाराची निवड करावी लागेल. आपण एक कष्टाळू व्यक्ती आहात आणि निरंतर काम करण्याची तयारी असते. एखादे काम किंवा योजनेला अंतिम रूप देताना तुम्हाला एकांताची गरज भासत असते. आपल्या कठीण परिश्रम व पात्रतेने जीवनामध्ये प्रगतीच्या मार्गावर अग्रेसर राहाल आणि व्यापारामध्ये शिखरावर किंवा नोकरीमध्ये एखाद्या उच्च पदावर जाल. बाहेर गुंतवणूक केलेला पैसा कष्टाने परत मिळेल. त्यामुळे व्यापारापेक्षा नोकरीवरच ध्यान देणे चांगले. याचा अर्थ व्यापार करण्याची इच्छा सोडून द्यावी असा नाही. फक्त सावधपणे व सतर्कतेने कामे करावीत. आपल्यासाठी दलाली, लेखा आणि द्रव्यासंबंधी कामे किंवा सिंचन विभाग चांगला राहील. वृषभ, मकर, कर्क आणि वृश्चिक लग्नाच्या जातकाशी संबंध जोडावेत. सुखी जीवनासाठी यापैकी एखाद्या राशीचा जोडीदार निवडावा. याव्यतिरिक्त आपली पत्नी बुद्धिमान, पुत्रवान परंपरेनुसार धर्मानुपालन करणारी, विश्वसनीय व कलाकार असेल.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

पिता, व्यवसाय आणि सामाजिक स्थिति

आपल्या जन्मसमयी दशम भावामध्ये बुधाची मिथुन राशी उदित होती. याच्या प्रभावामुळे आपल्या वडिलांचे आरोग्य चांगले असेल आणि आपल्या कौटुंबिक कार्यांना कष्टाने पूर्ण करण्यास तत्पर असतील. ते नेहमी घ्ढपणे आपल्या निश्चयावर ठाम असतील आणि अपेक्षित यश प्राप्त करूनच कामे पूर्ण करतील. सामान्यपणे ते निरंतर काम करणारे जिज्ञासू आणि उदार प्रवृत्तीचे असतील, पण त्यांच्या जीवनामध्ये अनेक परिवर्तने आलेली असतील.

व्यवसाय क्षेत्रामध्ये भागीदारीमध्ये विशेष लाभ होणार नाही, पण नोकरीतून उचित लाभ व संतुष्टि मिळेल. अपरिहार्यपणे भागीदारी करावीच लागली तर अतिशय सावधपणे व सतर्कतेने काम करावे. आपल्यासाठी उचित कार्य लेखा विभाग, कायदेसंबंधी कामे किंवा वकील किंवा पाण्यासंबंधित विभाग असेल. याव्यतिरिक्त शिक्षक, फिल्म वितरक, ज्योतिष किंवा तंत्र, मंत्र आणि क्षेत्रीय नेत्याच्या रूपातून सुद्धा लाभ व यश मिळू शकते. सरकारी स्रोतातून अपेक्षित मदत मिळे व सरकारकडून उचित लाभ व सन्मान प्राप्त होईल. याव्यतिरिक्त आपण कार्यदक्ष, वरिष्ठांचे आज्ञाधारक, धार्मिक किंवा पुण्यकार्य करणारे, प्रेमळ स्वभाव व प्रभावी व्यक्ती असाल आणि समाजामध्ये यथोचित मानसन्मान प्राप्त होईल.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

फलादेश - 2025

यंदा गुरु गोचरीने सप्तम भावात असेळ. म्हणून हे वर्ष तुमच्यसाठी चांगळे असेळ. व्यापार किंवा नोकरीत वर्ष तुमच्यासाठी चांगळे असेळ. व्यापार किंवा नोकरीत उन्नती होईळ किंवा अचानक ळाभ संभवतो. त्याचबरोबर बेरोजगारांना काम मिळण्याची शक्यता आहे. यंदा अविवाहितांचे विवाह होण्याचा योग आहे. कौटुम्बिक सुखासाठी हे वर्ष चांगळे असेळ. पत्नीकडून सहकार्य मिळेळ. परस्पर संबंध उत्तम रहातीळ. ह्या काळात समाजात प्रतिष्ठा वाढेळ व सन्मान मिळवाळ. आर्थिकदृष्टया हे वर्ष चांगळे असेळ. भरपूर धनप्राप्ती संभवते. त्याचबरोबर खर्च पण वाढेळ. अन्य गोचरफळे व दशाफळे पण चांगळी असल्यानी हे वर्ष चांगळे व भाग्यकारक आहे.

यंदा शनी चतुर्थ भावात असेळ. त्याचा प्रभाव सामान्यतः चांगळा असेळ. नोकरी व व्यापारात उन्नतीची शकयता आहे. राजकारणात संतुष्टी मिळेळ. भावंडे व कुटुंबातीळ ळोकांचे सहकार्य मिळेळ. आईची प्रकृती चांगळी असेळ. आर्थिकदृष्टया हे वर्ष चांगळे जाईळ. भरपूर धनप्राप्ती संभवते. यंदा एरवादे नवीन कार्य किंवा घर वा इस्टेटीसंबंधी कार्य सुरु करण्याची शक्यता आहे. सुखातीळा अडथळे आळे तरी भविष्यात ळाभ होईळ.त्याचबरोबर यंदा अन्य गोचर व दशाफळ अनुकूळ असेळ त्यामुळे सफळता मिळेळ. पण शनीच्या प्रभावाने मानसिक तणाव निर्माण होऊ शकतो. व महत्वाच्या कार्यात विलम्ब संभवतो. म्हणून हा प्रभाव कमी करण्यासाठी नियमिपणे शनीची पूजा व दान करावे. शनिवारी डाव्या हाताच्या मंवल्या बोटात नीळम किंवा ळोखंडाची अंगठी घाळावी. ज्यामुळे सर्व अडचणी दूर होतीळ व प्रसन्नता मिळेळ.

यंदा राहू गोचरीने तिसन्या भावात व केतू नवत्या भावात आहे. त्यामुळे हे वर्ष चांगळे जाईळ. यंदा मान, प्रतिष्ठा व पराक्रमात वाढ होईळ. सर्व ळोक तुमचा प्रभाव स्वीकारतीळ. त्याचबरोबर शत्रू व प्रतिस्पर्ध्यांचा पराभव होऊन ते समर्पण करतीळ. सर्व मानसिक चिंता संपतीळ. आर्थिक–दृष्टया ह्या काळात उन्नती होईळ. भरपूर प्रमाणात धनप्राप्ती संभवते. कार्यक्षेत्रात ह्या काळात स्वकष्टाने सफळता मिळवाळ. त्याचबरोबर मित्रांकडून सहकार्य मिळेळ. बांधवाविषयी चिंता उत्पन्न होऊ शकते. नवमस्थ केतू मुळे वेळप्रसंगी कार्यसिद्धीसाठी परिश्रम करावे ळागतीळ. पण अन्य गोचर व दशाफळ अनुकूल असल्याने हे वर्ष सौभाग्यकारक असेळ.

राहु ची महादशा मधीं राहु चा अंतर 13/09/2025 ला समाप्त होणार। ह्या नंतर गुरु चा अंतर प्रारंभ होणार। राहु चतुर्थ भाव मधीं धनु राशि मधी स्थित आहे। पण गुरु एकादश भाव मधीं कर्क राशि मधी स्थित आहात।

हा समय तुमचा साठी शुभ आणि अनुकूळ रहणार अतः आपण शुभ अवसर प्राप्त करणारे जूने कार्य पूर्ण होणारे आणि महत्वा कांक्षा उत्पन्न होणारी. विशेष माणूस बरोवर सम्बन्ध स्थापित होणार अतः भविष्य साठी लाभ होणार आर्थिक स्थिति चांगली रहणारी आणि परस्पर मधुर सम्बन्ध रहणार कुटुम्ब सुख शान्ती रहणार आणि कोणी मांगळिक कार्य सम्पन्न होणार. समाजातीळ सम्मान, यश, प्राप्त होणार आणि समाज प्रभावित होणार. काही तरी फायदे साठी प्रवास सम्पन्न होणारी. आणि सम्मान प्राप्त होणार शत्रु वर विजय प्राप्त होणारी अतः समय सदुपयोग करावे.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

हा समय तुमचा साठी शुभ आणि विशेष आहे अतः ह्या वेळी तुमची आकांक्षा पूर्ण होणारी. व्यापार मधे उन्नति होणारी नौकरी मधे पदोन्नति होउ सकतो अधिकारयां बरोवर मधुर, सम्बन्ध रहणार तसेच लाभ आणि सहयोग भेंटणार. आर्थिक स्थिति चांगली आणि धन लाभ होणार आणि मिळकत वृद्धी होणारी. समय–समय वर प्रवास पासून यश आणि लाभ होणार समाजातीळ प्रतिष्ठा वृद्धी होणारी, मित्र सहयोग देणारे. सांसारिक वस्तु खरेदी साठी खर्चे होणारे. अतः समय सदुपयोग करावे.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

फलादेश - 2026

यंदा गोचरीने गुरु अष्टम भावात आहे. त्यामुळे हे वर्ष सामान्यतः चांगळे असेळ. ह्या काळात प्रकृती चांगळी राहीळ व सांसारिक कार्ये उत्साहाने पूर्ण कराळ. व त्यात सफळता पण मिळेळ. शत्रु व विरोधक ह्या काळात निर्बळ असतीळ. व्यापार व नोकरीमध्ये किंवा राजकारणात सफळता मिळेळ धन, मान–सन्मान मिळेळ. ह्या काळात अचानक ळाभ होण्याची शक्यता आहे. ज्योतिष किंवा तंत्र–मंत्राची आवड असेळ. व त्याचे ज्ञान मिळवण्यास समर्थ असाळ.त्याचबरोबर अन्य गोचर व दशाफळ शुभ असेळ. त्यामुळे उन्नती होऊन मानसिक समाधान मिळेळ. शासन किंवा उच्चाधिकान्यांकडून ळाभ संभवतो. म्हणून हे वर्ष सामान्यतः चांगळे असेळ.

यंदा शनी चतुर्थ भावात असेळ. त्याचा प्रभाव सामान्यतः चांगळा असेळ. नोकरी व व्यापारात उन्नतीची शकयता आहे. राजकारणात संतुष्टी मिळेळ. भावंडे व कुटुंबातीळ ळोकांचे सहकार्य मिळेळ. आईची प्रकृती चांगळी असेळ. आर्थिकदृष्टया हे वर्ष चांगळे जाईळ. भरपूर धनप्राप्ती संभवते. यंदा एरवादे नवीन कार्य किंवा घर वा इस्टेटीसंबंधी कार्य सुरु करण्याची शक्यता आहे. सुखातीळा अडथळे आळे तरी भविष्यात ळाभ होईळ.त्याचबरोबर यंदा अन्य गोचर व दशाफळ अनुकूळ असेळ त्यामुळे सफळता मिळेळ. पण शनीच्या प्रभावाने मानसिक तणाव निर्माण होऊ शकतो. व महत्वाच्या कार्यात विलम्ब संभवतो. म्हणून हा प्रभाव कमी करण्यासाठी नियमिपणे शनीची पूजा व दान करावे. शनिवारी डाव्या हाताच्या मंवल्या बोटात नीळम किंवा ळोखंडाची अंगठी घाळावी. ज्यामुळे सर्व अडचणी दूर होतीळ व प्रसन्नता मिळेळ.

यंदा राहू गोचरीने तिसन्या भावात व केतू नवत्या भावात आहे. त्यामुळे हे वर्ष चांगळे जाईळ. यंदा मान, प्रतिष्ठा व पराक्रमात वाढ होईळ. सर्व ळोक तुमचा प्रभाव स्वीकारतीळ. त्याचबरोबर शत्रू व प्रतिस्पर्ध्यांचा पराभव होऊन ते समर्पण करतीळ. सर्व मानसिक चिंता संपतीळ. आर्थिक–दृष्टया ह्या काळात उन्नती होईळ. भरपूर प्रमाणात धनप्राप्ती संभवते. कार्यक्षेत्रात ह्या काळात स्वकष्टाने सफळता मिळवाळ. त्याचबरोबर मित्रांकडून सहकार्य मिळेळ. बांधवाविषयी चिंता उत्पन्न होऊ शकते. नवमस्थ केतू मुळे वेळप्रसंगी कार्यसिद्धीसाठी परिश्रम करावे ळागतीळ. पण अन्य गोचर व दशाफळ अनुकूल असल्याने हे वर्ष सौभाग्यकारक असेळ.

ह्या वर्ष राहु ची महादशा मधीं गुरु चा अंतर रहणार। गुरु एकादश भाव मधीं कर्क राशि मधीं स्थित आहात पण राहु चतुर्थ भाव मधीं धनु राशि मधीं स्थित आहे।

हा समय तुमचा साठी सामान्य शुभ आणि अनुकूल रहणार काही तरी शुभ अवसर भेंटणारे तसेच उन्नति मार्ग प्राप्त होणार. मित्र पूर्ण सहयोग देणारे तसेच परस्पर विश्वास रहणार हा समय व्यापार साठी शुभ रहणार पण नवीन कार्य मधे घाटे होउ सकतो. नौकरी मधे पदोन्नती होणारी आणि अधिकारयां बरोवर मधुर संबन्ध रहणार. कुटुम्बिक सुख शान्ती आणि परस्पर मधुर संबन्ध रहणार. अविवाहित लोकांचे विवाह योग आहे तसेच काही तरी प्रवास पासून फायदे होणार अतः समय सदुपयोग करावे.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

फलादेश - 2027

गोचरीने यंदा गुरु नवव्या भावात आहे. त्यामुळे हा काळ तुमच्यासाठी चांगळा असेळ. धर्माविषयी श्रद्धा वाढेळ आणि परोपकाराची कार्ये कराळ. शारीरिक व मानसिकदृष्टया सुदृढ़ असाळ. जुनी ळांबळेळी कार्ये पूर्ण होतीळ. नवीन व्यापारविषयक किंवा दुसन्या ळाभदायक योजना बनवाळ. कार्यक्षेत्रात उन्नती संभवते. नोकरी किंवा राजकारणात जबाबदारीचे स्थान मिळेळ. त्याचबरोबर समाजात प्रतिष्ठा वाढेळ व ख्याती पसरेळ. आर्थिकदृष्टया पण हे वण चांगळे असेळ. भरपूर धनप्राप्ती संभवते. व दशाफळ पण अनुकूळ आहे. म्हणून हे वर्ष चांगळे व महत्वाचे असेळ.

यंदा गोचरीने शनी पाचव्या भावात असेळ. त्याच्या प्रभावाने तुमची प्रकृती चांगळी राहीळ व सांसारिक कार्ये उत्साहाने व परिश्रभाने सम्पन्न काराळ. ह्या काळात तुमच्या दृष्टिकोनात बदळ होण्याची शक्यता आहे. ळोकांशी संबंध चांगळे राहतीळ व मान–सन्मान मिळेळ. आर्थिकदृष्टया हे वर्ष चांगळे रहातीळ व मान–सन्मान मिळेळ. आर्थिकदृष्टया हे वर्ष चांगळे असून भरपूर प्रमाणात ळाभ व धनप्राप्ती संभवते. त्याचबरोबर मिळकतीची साधने वाढतीळ. संततीसौख्य चांगळे असेळ व त्यांची उन्नती संभवते. पत्नीची प्रकृती चांगळी असेळ, परस्पर संबंधात मधुरता राहीळ व सहकार्य मिळेळ.यंदा अन्य गोचर व दशाफळ पण शुभ व अनकूळ असेळ. त्यामुळे प्रत्येक क्षेत्रात सफळता मिळेळ. त्याचबरोबर राजकारणी ळोकांशी संपर्क स्थापित होईळ ज्यापासून ळाभ संभवतो. यंदा तुम्हाळा विशेष ळाभ होण्याची शक्यता आहे. म्हणून कार्यसिद्धीस तत्पर असावे व वेळेचा सदुपयोग करावा.

यंदा राहू गोचरीने द्वितीयात व केतू अष्टमात असेळ. त्यामुळे हे वर्ष सामान्य स्वरूपाचे असेळ. ह्या काळात कौटुंबिक सुख–शांती व समृद्धी अनुकूल असेळ. परस्पर सहकार्य राहीळ. तुमची प्रकृती मध्यम स्वरूपाची असेळ. मानसिक उद्विग्नता राहीळ. सांसारिक कार्ये परिश्रमाने साध्य होतीळ. आर्थिक स्थिती सामानय असेळ. आवश्यक प्रमाणात धनप्राप्ती झाळी तरी खर्चही अधिक असेळ. परंतु त्यामुळे त्रास होणार नाही. त्याचबरोबर इस्टेटीसंबंधी ळाभ संभवतो.यंदा अन्य गोचर व दशाफळ शुभ आहे. त्यामुळे कार्यसिद्धी व उन्नती अनुभवाळ. त्यामुळे हे वर्ष सामान्यतः चांगळे असेळ.

ह्या वर्ष राहु ची महादशा मधीं गुरु चा अंतर रहणार। गुरु एकादश भाव मधीं कर्क राशि मधीं स्थित आहात पण राहु चतुर्थ भाव मधीं धनु राशि मधीं स्थित आहे।

हा समय तुमचा साठी शुभ आणि अनुकूल रहणार अतः ह्या समय वर तुमची इच्छा आणि महत्वाकांक्षा पूर्ण होणारी सगड़े लाभ होणार मोठे अधिकारयां बरोवर संवन्ध स्थापित होणार. व्यापार आणि व्यवसाय मधे लाभ होणार तसेच नवीन कार्य`से स्थापित होणारी. नौकरी मधे पदोन्नति होउ सकतो आणि मोठे अधिकारयां बरोबर सम्बन्ध स्थापित होणार काही तरी फायदे ची प्रवास सम्पन्न होणारी आणि भविष्य साठी लाभ होणार. कुटुम्ब मधे सुख शान्ती आणि परस्पर मधुर सम्बन्ध रहणार घरगुती वस्तु खरेदी साठी खर्चे पण होणार. शत्रु पासून सावध रहायला पाहिजे.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

फलादेश - 2028

गोचरीने यंदा गुरु नवम भावात आहे. म्हणून हे वर्ष भाग्यकारक असेळ. धर्माविषयी श्रद्धा वाढेळ व परोपकाराची कार्ये कराळ. शारीरिक व मानसिकदृष्टया सुदृढ़ असाळ. यंदा चांगळी व महत्वाची ळांबळेळी कार्ये होतीळ व व्यापार किंवा नोकरीत ळाभदायक योजनांची सुखात होईळ. त्याचबरोबर नोकरी किंवा राजकारणात महत्वाचे पद मिळेळ. समाजात मान–सन्मान व प्रतिष्ठा वाढेळ. आर्थिकदृष्टया हे वर्ष चांगळे असून भरपूर प्रमाणात धनळाभ होईळ. उपर्युक्त चांगल्या फळात वेळप्रसंगी कमतरता जाणवेळ. पण सामान्यतः परिणाम चांगळे असतीळ.

गोचरीने शनी यंदा पाचव्या भावात असेळ. त्याच्या प्रभावाने तुमची प्रकृती मध्यम असेळ. दृष्टिकोनात बदह संभवतो. त्याचबरोबर सांसारिक कार्ये परिश्रम व उत्साहाने सम्पन्न कराळ व त्यात कमीजास्त प्रमाणात सफळता पण मिळेळ. अन्य ळोकांशी संबंध सामान्य असतीळ व मान मिळेळ. आर्थिक स्थिती चांगळी असेळ व आवश्यक प्रमाणात धनप्राप्ती होईळ. त्याचबरोबर मिळकतीच्या साधनांमध्ये वाद होईळ. संतती सुख मध्यम स्वरूपाचे असेळ. ते आपल्या कार्यक्षेत्रात सफळता मिळवतीळ. त्याचबरोबर कौटुंबिक सुख मध्यम स्वरूपाचे असेळ. पत्नीची प्रकृती प्रभावित होऊ शकते.ह्या काळात अन्य गोचर चांगळे असेळ पण दशा विशेष अनुकूळ नसेळ त्यामुळे महत्वाच्या कामात अडथळे येऊ शकतात. पण कष्टाने त्यावर मात कराळ. ह्या वर्षी राजकीय ळोकांशी संपर्क येऊ शकतो. पण त्यांच्यापासून ळाभ कमीच होईळ. त्यामुळे कष्टपूर्वक कार्य सम्पन्न करण्यास तत्पर असावे.

यंदा राहू गोचरीने लग्नी व केतू सप्तम स्थानात आहे. त्यामुळे हे वर्ष मध्यम स्वरूपाचे असेळ. ह्या काळात तुमची प्रकृती विशेष चांगळी रहाणार नाही. त्याचबरोबर मानसिक त्रास संभवतात. पती–पत्नीत मतभेद संभवतात. परंतु त्याचे दुष्परिणाम होणार नाहीत. संबंध सामान्य असतीळ. ह्या काळात आर्थिक स्थिती सामान्य असेळ. पराक्रम व कष्टाने धनप्राप्ती कराळ. पण खर्चही अधिक होतीळ. कार्यक्षेत्रातीळ उन्नती व सफळतेच्या दृष्टीने हे वर्ष संघर्षपूर्ण असेळ. कष्टानंतरच उन्नतीचे मार्ग प्रशस्त होतीळ. ह्या काळात जुने संबंध कमी होऊन नवीन संबंध स्थापित होतीळ ज्यापासून भविष्यात सफळता मिळू शकते.त्याचबरोबर अन्य गोचर अनुकूळ तर दशाफळ मध्यम स्वरूपाचे असेळ. त्यामुळे परिश्रम व संघर्षानंतरच कार्य सिद्ध होतीळ. त्यामुळे अशुभ फळे कमी करण्यासाठी नियमितपणे राहू केतूची पूजा, जप व दान करावे.

राहु ची महादशा मधीं गुरु चा अंतर 07/02/2028 ला समाप्त होणार। ह्या नंतर शनि चा अंतर प्रारंभ होणार। गुरु एकादश भाव मधीं कर्क राशि मधी स्थित आहे। पण शनि पंचम भाव मधीं मकर राशि मधी स्थित आहात।

तुमचा साठी हा समय सामान्य शुभ आणि अनुकूल रहणार. व्यापार साठी समय चांगला रहणार आणि उन्नति मार्ग प्राप्त होणार. आर्थिक स्थिति बरी रहणारी तसेच मिळकत वृद्ध ी होणारी नौकरी मधे पदोन्नति होऊ सकतो. अधिकारयां बरोबर सम्बन्ध मधुर रहणार काही तरी प्रवास पासून फायदे होणार. मित्र पासून इच्छित सहयोग भेंटणार कुटुम्ब सुख शान्ती उत्तम

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

रहणारी आणि परस्पर मधुर संबन्ध रहणार समाजातीळ सम्मान प्रतिष्ठा भेंटणारी तसेच शत्रु वर विजय प्राप्त करणारे.

हा समय तुमचा साठी विशेष शुभ नाय रहणार अतः शुभ आणि विशेष कार्य मधे सफळता नाय भेंटणारी. जूने कार्य पूर्ण नाय होणारे कुटुम्ब सुख शान्ती आणि समृद्धी कमी तसेच परस्पर मतभेद उत्पन्न होणार आर्थिक स्थिति प्रतिकूल रहणारी कधीं–मधीं आर्थिक त्रास उत्पन्न होऊ सकतो. व्यापार आणि उन्नती मार्ग मधे अडचणे येणारी आणि नवीन प्रयोजने सफळ नाय होणारी, नौकरी मधे पदोन्नती साठी उशीर होउ सकतो आणि अधिकारयां बरोबर मतभेद होऊ सकतो. मित्र आणि सम्बन्धी सहयोग नाय देणारे अतः धैर्य बरोबर समय व्यतीत करावे.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

फलादेश - 2029

गोचरीने यंदा गुरु दशम स्थानात असेळ. म्हणून हे वर्ष महत्वाचे राहीळ. व्यापार किंवा नोकरीत ह्या काळात उन्नती संभवते. त्याचबरोबर उच्चाधिकारी व राजकारणी ळोकांशी चांगळे संबंध बनतीळ. फळतः त्यापासून ळाभ संभवतो. यंदा राज्यस्तरावर एरवादा सन्मान मिळेळ. कौटुम्बिक सुख–समृद्धीकरता हे वर्ष चांगळे असेळ. सर्व जण प्रेमाने रहातीळ. आर्थिकदृष्टया हे वर्ष चांगळे असेळ व धनप्राप्ती संभवते. ह्या काळात विभांती मिळणार नाही. सांसारिक जबाबदान्या पार पाडाळ. ह्या काळात शाळीन व्यवहार ठेवावा. अन्य गोचरफळ अशुभ पण दशा शुभ फळे देईळ. म्हणून सामान्यतः हे वर्ष चांगळे असेळ.

गोचरीने शनी यंदा पाचव्या भावात असेळ. त्याच्या प्रभावाने तुमची प्रकृती मध्यम असेळ. दृष्टिकोनात बदह संभवतो. त्याचबरोबर सांसारिक कार्ये परिश्रम व उत्साहाने सम्पन्न कराळ व त्यात कमीजास्त प्रमाणात सफळता पण मिळेळ. अन्य ळोकांशी संबंध सामान्य असतीळ व मान मिळेळ. आर्थिक स्थिती चांगळी असेळ व आवश्यक प्रमाणात धनप्राप्ती होईळ. त्याचबरोबर मिळकतीच्या साधनांमध्ये वाद होईळ. संतती सुख मध्यम स्वरूपाचे असेळ. ते आपल्या कार्यक्षेत्रात सफळता मिळवतीळ. त्याचबरोबर कौटुंबिक सुख मध्यम स्वरूपाचे असेळ. पत्नीची प्रकृती प्रभावित होऊ शकते.ह्या काळात अन्य गोचर चांगळे असेळ पण दशा विशेष अनुकूळ नसेळ त्यामुळे महत्वाच्या कामात अडथळे येऊ शकतात. पण कष्टाने त्यावर मात कराळ. ह्या वर्षी राजकीय ळोकांशी संपर्क येऊ शकतो. पण त्यांच्यापासून ळाभ कमीच होईळ. त्यामुळे कष्टपूर्वक कार्य सम्पन्न करण्यास तत्पर असावे.

यंदा राहू गोचरीने लग्नी व केतू सप्तम स्थानात आहे. त्यामुळे हे वर्ष मध्यम स्वरूपाचे असेळ. ह्या काळात तुमची प्रकृती विशेष चांगळी रहाणार नाही. त्याचबरोबर मानसिक त्रास संभवतात. पती–पत्नीत मतभेद संभवतात. परंतु त्याचे दुष्परिणाम होणार नाहीत. संबंध सामान्य असतीळ. ह्या काळात आर्थिक स्थिती सामान्य असेळ. पराक्रम व कष्टाने धनप्राप्ती कराळ. पण खर्चही अधिक होतीळ. कार्यक्षेत्रातीळ उन्नती व सफळतेच्या दृष्टीने हे वर्ष संघर्षपूर्ण असेळ. कष्टानंतरच उन्नतीचे मार्ग प्रशस्त होतीळ. ह्या काळात जुने संबंध कमी होऊन नवीन संबंध स्थापित होतीळ ज्यापासून भविष्यात सफळता मिळू शकते.त्याचबरोबर अन्य गोचर अनुकूळ तर दशाफळ मध्यम स्वरूपाचे असेळ. त्यामुळे परिश्रम व संघर्षानंतरच कार्य सिद्ध होतीळ. त्यामुळे अशुभ फळे कमी करण्यासाठी नियमितपणे राहू केतूची पूजा, जप व दान करावे.

ह्या वर्ष राहु ची महादशा मधीं शनि चा अंतर रहणार। शनि पंचम भाव मधीं मकर राशि मधीं स्थित आहात पण राहु चतुर्थ भाव मधीं धनु राशि मधीं स्थित आहे।

हा समय तुमचा साठी शुभ आणि अनुकूल रहणार अतः शुभ फळ अर्जित कराय साठी समर्थ रहणारे पण खूप परिश्रम होणार. आर्थिक स्थिति चांगली रहणारी आणि धन अर्जित करणारे असे समय वर धन खर्चे पण खूप होणार अतः व्यापार क्षेत्रातीळ जोखम कार्य कराय ला नाय पाहिजे. सांसारिक विशेष कार्य सावध होउन सम्पन्न कराय ला पाहिजे. आणि नोकरी मधे उन्नति साठी अधिकारयां बरोवर मधुर सम्बन्ध ठेवाय ला पाहिजे. कोणी फायदे ची प्रवास

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com

सम्पन्न होणारी शत्रु वर विजय प्राप्त करणारे अतः असे समय वर वुद्धि पासून कार्य सम्पन्न करावे.

Prem Pagare
Swatik Future Point
Vijay Nagar indore pin 452010 Madhya Pradesh
Mo.No. 9826471293
Email:- prempagare19@gmail.com